बुधवार, 13 मई 2026

मौसम

तापमान 27 – 34
आर्द्रता 72%
सूर्योदय: 04:57 सूर्यास्त: 18:08

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष एकादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

तेल की चिंता में बाजार में गिरावट जारी; सेंसेक्स 1,456 अंक लुढ़का पृष्ठ 8

सुविचार : विश्वास कमाने में सालों लग जाते हैं और गवाने में कुछ पल।

नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द

प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों की सीबीआई करेगी जांच

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' को इसका प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के मद्देनजर मंगलवार को रद्द करने की घोषणा की तथा सरकार ने सीबीआई को इन 'अनियमितताओं' की विस्तृत जांच करने का आदेश दिया। चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा अब नए सिरे से आयोजित की जाएगी, जिसकी तिथियां अलग से अधिसूचित की जाएंगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय पारदर्शिता बनाए रखने और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में विश्वास को बरकरार रखने के लिए लिया गया है। उसने कहा, ''केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एनटीए द्वारा तथ्यों को परखे जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने तीन मई 2026 को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को भारत सरकार की मंजूरी से रद्द करने और अलग से अधिसूचित तिथियों पर परीक्षा पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया है।'' नीट यूजी 2026 परीक्षा तीन मई को भारत के 551 शहरों और अन्य देशों के 14 शहरों में आयोजित की गई थी। यह परीक्षा लगभग 23 लाख पंजीकृत परीक्षार्थियों के लिए आयोजित की गयी थी। एजेंसी ने कहा कि प्राप्त सूचनाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा किए गए निष्कर्षों के आधार पर यह स्पष्ट हो गया है कि 'वर्तमान परीक्षा प्रक्रिया को जारी रखना उचित नहीं है।' उसने कहा, ''एनटीए सीबीआई को पूरा सहयोग देगी और जांच के लिए आवश्यक सभी सामग्री, रिकॉर्ड और सहायता प्रदान करेगी।''

परीक्षा फिर से आयोजित करने की प्रक्रिया सात से 10 दिन में शुरू होगी: एनटीए महानिदेशक

नयी दिल्ली : प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के चलते नीट-यूजी 2026 को रद्द करने की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने मंगलवार को कहा कि फिर से परीक्षा का कार्यक्रम ''अगले सात से दस दिन'' के भीतर घोषित किया जाएगा। सिंह ने कहा, ''फिर से परीक्षा की तारीख के लिए, मैं अपनी टीम के साथ बैठक करूंगा और अगले कुछ दिनों में परीक्षा का पूरा कार्यक्रम और तारीखें घोषित करूंगा। हमारा प्रयास रहेगा कि परीक्षा जल्द आयोजित की जाए ताकि मेडिकल कॉलेजों के शैक्षणिक कार्यक्रम और प्रवेश कार्यक्रम में कोई बाधा न आए। यह प्रक्रिया अगले सात से दस दिन के भीतर शुरू हो जाएगी।''

नासिक पुलिस ने नीट प्रश्नपत्र लीक के सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

नासिक (महाराष्ट्र) : नासिक पुलिस ने नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने मामले में मंगलवार को एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने यहां यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त किरणकुमार चौहान ने कहा, ''नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेने के लिए सुबह राजस्थान पुलिस से अनुरोध प्राप्त हुआ। उसी के अनुसार, नासिक पुलिस की अपराध शाखा की द्वितीय इकाई ने एक व्यक्ति को पकड़ा है।'' उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस की एक टीम उसे हिरासत में लेने के लिए यहां आयेगी।

नीट रद्द होने से छात्रों में आक्रोश, अभ्यर्थियों ने कहा-'बेहद निराशाजनक'

नीट यूजी 2026 के रद्द किए जाने के बाद देशभर के अभ्यर्थियों में भारी नाराजगी देखने को मिली है। छात्रों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यक्षमता पर सवाल उठाए हैं और मांग की है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का आयोजन एम्स-दिल्ली द्वारा कराया जाए। मेडिकल कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक छात्रों की परीक्षा अब नए सिरे से आयोजित की जाएगी, जिसकी तिथियां अलग से अधिसूचित की जाएंगी। वार्षिक परीक्षा रद्द होने से उम्मीदवारों में निराशा और चिंता का माहौल है। कोलकाता की एक अभ्यर्थी मौमिता दास ने कहा कि यह घटनाक्रम उनके और उनके माता-पिता दोनों के लिए बेहद निराशाजनक है। दास ने कहा, नीट यूजी जैसी परीक्षा की तैयारी में बहुत त्याग करना पड़ता है। इसमें केवल मेरी ही नहीं, बल्कि मेरे माता-पिता की भी वर्षों की अनुशासित मेहनत शामिल है। जब सब कुछ बिखरता हुआ महसूस हो रहा हो, तब दोबारा उसी सोच के साथ तैयारी जारी रखना काफी मुश्किल होता है।''

बंगाल की नई भाजपा सरकार ने सड़कों पर नमाज व धार्मिक सभाओं पर लगाई पाबंदियां

धार्मिक स्थलों के बाहर लाउडस्पीकर पर रोक

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल की पहली भाजपा सरकार तेजी से एक के बाद एक फैसले ले रही है। इसी कड़ी में, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी सरकार के पहले ही कार्यदिवस पर सोमवार को करीब एक दर्जन निर्देश जारी किए- जिनमें धार्मिक स्थलों के बाहर लाउडस्पीकर की आवाज पर रोक से लेकर विशेष अवसरों पर सड़कों को जाम करके या आम लोगों को तकलीफ पहुंचाकर की जाने वाली नमाज या धार्मिक सभाओं पर पाबंदियां शामिल हैं। सुवेंदु ने राज्य सचिवालय नवान्न में शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में इसपर रोक के आदेश दिए। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि नए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कानून को सब पर समान रूप से लागू करने को कहा- जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि लाउडस्पीकर की आवाज धार्मिक स्थल से बाहर न जाए, और सड़कों को जाम करके की जाने वाली नमाज या धार्मिक सभाओं पर रोक लगाई जाए। भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक व बैरकपुर से पूर्व सांसद अर्जुन सिंह ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि राज्य में सड़कों पर अब नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं होगी। राज्य सरकार ने इस बाबत निर्देश जारी कर दिए हैं। सिंह ने कहा कि जिन्हें नमाज पढ़ना है वे मस्जिद के भीतर पढ़ें। सड़क जाम करके ऐसा किया तो प्रशासन कारवाई करेगा।

चुनाव बाद हिंसा के मामलों की नए सिरे से जांच के आदेश

सोमवार की शाम राज्य सचिवालय में शीर्ष पुलिस अधिकारियों और सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ प्रशासनिक बैठक में नए मुख्यमंत्री ने 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के 1,300 से ज़्यादा मामलों की नए सिरे से जांच के आदेश भी दिए। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 2021 के चुनाव के बाद हुई हिंसा की उन शिकायतों को फिर से खोलना प्राथमिकता होनी चाहिए जिन्हें पुलिस में जीडी (जनरल डायरी) एंट्री के तौर पर दर्ज किया गया था। उन्होंने सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिसमें गैर-जमानती मामले दर्ज करना भी शामिल हैं।

अवैध हथियारों की जब्ती के भी दिए निर्देश

उन्होंने अवैध हथियारों व बमों की जब्ती के लिए भी तत्काल कार्रवाई का सुझाव दिया। इसके अलावा, सुवेंदु ने जबरन वसूली के मामलों में भी नए सिरे से जांच और गिरफ्तारी के आदेश दिए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने आपराधिक इतिहास वाले सभी लोगों से सुरक्षा कवर वापस लेने के भी निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने कोयला, रेत और पत्थर के अवैध खनन के प्रति जीरो टालरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करना) की नीति अपनाने का पुलिस को निर्देश दिया। दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास और छेड़छाड़ के मामलों को फिर से खोलकर नए सिरे से जांच के उन्होंने निर्देश दिए।

हेलमेट नियमों को सख्ती से लागू व अवैध टोल वसूली को खत्म करने के आदेश

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हेलमेट नियमों को सख्ती से लागू करने, अवैध टोल वसूली को खत्म करने और आपराधिक इतिहास वाले लोगों से सुरक्षा वापस लेने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि उनके काफिले के आने-जाने के दौरान लोगों को कम से कम परेशानी हो और वे बेवजह हूटर न बजाएं।

'सनातन को खत्म कर देना चाहिए': उदयनिधि के फिर विवादित बोल

कहा- समाज को बांटने वाली सोच को न मिले जगह

चेन्नई : द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को दावा किया कि सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है और उन्होंने इसे 'समाप्त' करने का आह्वान किया। उदयनिधि इससे पहले सितंबर 2023 में भी इस तरह का बयान दे चुके हैं। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने यह भी कहा कि विपक्ष, तमिल प्रार्थना गीत ''तमिल थाई वझुथु'' को दरकिनार करने के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगा। उन्होंने सदन में अपने भाषण में कहा, ''सनातन धर्म लोगों को विभाजित करता है और उसे निश्चित रूप से समाप्त किया जाना चाहिए।'' इससे पहले उदयनिधि ने 2023 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी, जिससे एक बड़ा विवाद पैदा हो गया था। उन्हें हिंदू समर्थक संगठनों की आलोचना का शिकार होना पड़ा था और उनके खिलाफ कई मामले भी दर्ज कराए गए थे।

भाजपा ने सनातन विरोधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन की आलोचना की

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर किए गए नए हमलों की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही पार्टी ने उन पर तथा अन्य विपक्षी दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन के खिलाफ नफरत फैलाने में लिप्त होने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक की चुनावी हार के बावजूद, उदयनिधि स्टालिन फिर वही करने लगे हैं जो वे ''सबसे अच्छा करते हैं - सनातन धर्म का अपमान और उसके खिलाफ नफरत फैलाना।''

सनातन शाश्वत है, उदयनिधि के चाहने से यह समाप्त नहीं होगा: होसबाले

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले ने मंगलवार को द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन पर निशाना साधते हुए सनातन धर्म की तुलना वट वृक्ष से की और कहा कि उनके चाहने से यह समाप्त नहीं हो जायेगा।

होसबाले ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''सिर्फ इसलिए कि मुझे लगता है कि प्रकाश नहीं होना चाहिए या मुझे लगता है कि परछाईं नहीं होनी चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि ये गायब हो जाएंगी।'' उन्होंने कहा, ''सनातन इस राष्ट्र की आत्मा और चेतना है। यह कोई धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि एक मूल्य और एक वैश्विक दृष्टि है।''

हिमंत ने असम के मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली

गुवाहाटी : हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण की। इसी के साथ राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लगातार तीसरी बार सत्ता की बागडोर संभाल ली। हिमंत के साथ चार विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली। इनमें भाजपा की अजंता नियोग और रामेश्वर तेली तथा राजग के सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोरो शामिल हैं। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा क्षेत्र में वेटरनरी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में हिमंत और चारों मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, सरबानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गेरिटा, राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री तथा भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन मौजूद थे। धोती-कुर्ता पहने और गले में पारंपरिक गमछा डाले हिमंत ने असमिया भाषा में शपथ ली। तेली, बोरा और नियोग ने भी उनकी तरह असमिया में, जबकि बोरो ने बोडो भाषा में शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री ने हिमंत और चारों मंत्रियों को बधाई दी। आयोजन स्थल से जाने से पहले उन्होंने जनता और मंच पर मौजूद लोगों का आभार जताया।

राजग का लगातार तीसरी बार सत्ता में आना असम के लिए एक महान दिन है: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमंत विश्व शर्मा को लगातार दूसरी बार असम का मुख्यमंत्री बनने पर मंगलवार को बधाई दी और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का लगातार तीसरी बार सत्ता में आना ''असम के लिए एक महान दिन'' है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''असम के लिए एक शानदार दिन! लगातार तीसरी बार राजग सरकार ने सत्ता संभाली है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जी को शपथ ग्रहण की हार्दिक बधाई!'' मोदी ने कहा कि ''शर्मा ने एक 'शानदार प्रशासक' के रूप में अपनी पहचान बनाई है और राज्य के लिए अग्रणी कार्य किए हैं। आगामी कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं!''

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश,राजस्थान के सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में लागू होगी राजस्थानी भाषा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्य के सभी स्कूलों में चरणबद्ध और प्रगतिशील तरीके से राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में शुरू करने के लिए सकारात्मक और समयबद्ध कदम उठाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार को मातृभाषा-आधारित शिक्षा से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक व्यापक नीति बनाने का भी निर्देश दिया, विशेषकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के संदर्भ में। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को शैक्षणिक उद्देश्य से राजस्थानी भाषा को स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता और उचित दर्जा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। न्यायालय ने कहा, ''उपरोक्त निर्देश इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि वर्तमान में इस महत्वपूर्ण संवैधानिक क्षेत्र में स्पष्ट शून्यता बनी हुई है।'' पीठ ने आगे कहा, ''विशेष रूप से सार्थक और समावेशी शिक्षा तक पहुंच से जुड़ी हुई संवैधानिक गारंटी और नीतिगत घोषणाएं केवल कार्यपालिका की निष्क्रियता के कारण निष्प्रभावी नहीं रह सकतीं।'' शीर्ष अदालत ने यह फैसला नवंबर 2024 में राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनाया। राजस्थान उच्च न्यायालय ने उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें राज्य सरकार को बच्चों को राजस्थानी या स्थानीय भाषा में शिक्षा देने सहित अन्य निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा, ''मूल स्तर पर, अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) में निहित अभिव्यक्ति और बोलने की स्वतंत्रता के अधिकार से जुड़ा है, क्योंकि इस अधिकार में ऐसी भाषा में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार भी शामिल है, जो सार्थक और समझने योग्य हो।'' पीठ ने चिंता जताई कि केंद्र सरकार द्वारा इतनी स्पष्ट नीतिगत घोषणा के बावजूद, राज्य स्तर पर इन प्रतिबद्धताओं के वास्तविक क्रियान्वयन में काफी कमी दिखाई देती है। न्यायालय ने कहा कि यह विशेष रूप से ''चिंताजनक'' है कि राजस्थान सरकार ने अपनी लगातार निष्क्रियता को सही ठहराने के लिए एक संकीर्ण दृष्टिकोण अपनाया है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

पाकिस्तान को चीन की मदद के संबंध में भारत ने कहा, जिम्मेदार देशों को साख पर सोचना चाहिए

नयी दिल्ली : भारत ने मंगलवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन के पाकिस्तान को मदद देने संबंधी खबरें पहले से ज्ञात तथ्यों की पुष्टि करती हैं। लेकिन साथ ही, उसने यह भी कहा कि जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें विचार करना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे की रक्षा के प्रयासों का समर्थन करने से उनके रुख और अंतरराष्ट्रीय साख पर क्या प्रभाव पड़ता है? विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन के सरकारी मीडिया की खबरों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यह बात कही। खबरों में कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमलों का बदला लेने के लिए भारत द्वारा मई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन ने पाकिस्तान को तकनीकी सहायता प्रदान की थी। जायसवाल ने प्रेस वार्ता में कहा, ''हमने ये खबरें देखी हैं जो पहले से ज्ञात बातों की पुष्टि करती हैं। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों के जवाब में एक सटीक, लक्षित और सुनियोजित कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान से संचालित और उसके इशारे पर काम कर रहे सरकार-प्रायोजित आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना था।'' उन्होंने कहा, ''जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें इस पर विचार करना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे की रक्षा के प्रयासों का समर्थन करना उनकी अंतरराष्ट्रीय साख पर असर डालता है या नहीं।''

तमिलनाडु : अन्नाद्रमुक के 30 बागी विधायक टीवीके को समर्थन देने की घोषणा करेंगे

चेन्नई : तमिलनाडु में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में मंगलवार को विभाजन के स्पष्ट संकेत दिखाई दिए, जब पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी के खिलाफ विधायकों के एक बड़े समूह ने बगावत कर दी और उन पर प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ पर्दे के पीछे से गठबंधन की कोशिश करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही इस गुट ने अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार को अपना खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। टीवीके सरकार बुधवार को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करेगी। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता एस.पी. वेलुमणि और सी.वे. षणमुगम के नेतृत्व में लगभग 30 विधायकों के बागी गुट में होने की संभावना है। इस गुट ने 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद पलानीस्वामी के नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं। इन चुनावों में अन्नाद्रमुक ने जिन 164 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से वह केवल 47 सीटें ही जीतने में सफल रही थी। षणमुगम ने पत्रकारों से कहा कि वे आज मुख्यमंत्री विजय से मिलकर उनकी सरकार को समर्थन देने के लिए पत्र सौंपेंगे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पार्टी के महासचिव पलानीस्वामी द्रमुक के समर्थन से सरकार बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक का गठन ही द्रमुक के विरोध और 'सफाये' के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सदस्यों ने एम के स्टालिन की अगुवाई वाली पार्टी के समर्थन से सरकार बनाने के पलानीस्वामी के प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी प्रस्ताव अन्नाद्रमुक के मूलभूत सिद्धांतों के विपरीत है क्योंकि इसका गठन ही द्रमुक का विरोध करने और उसे 'जड़ से उखाड़ने' के लिए किया गया था।

भारत के पास दो माह का ईंधन भंडार, पेट्रोलियम कंपनियों को एक लाख करोड़ रुपये का नुकसान संभव: पुरी

एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर 54,000 टन प्रतिदिन किया गया

नयी दिल्ली : पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट के बावजूद दो महीने के ईंधन भंडार के साथ भारत को आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहीं और खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं किया गया, तो सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों को एक ही तिमाही में एक लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक स्तर पर इस बात का आकलन करना होगा कि पेट्रोलियम कंपनियां लागत से कम कीमत पर पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) कब तक बेच सकती हैं। हालांकि, उन्होंने कीमतों में बढ़ोतरी की किसी भी संभावना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में मंत्री ने कहा, ''हमारे पास आपूर्ति से जुड़ी कोई समस्या नहीं है।'' उन्होंने बताया कि भारत ने संकट की शुरुआत पर्याप्त भंडार के साथ की थी और तब से घरेलू एलपीजी उत्पादन को 36,000 टन से बढ़ाकर 54,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया है। साथ ही, मंत्री ने खुदरा कीमतों को स्थिर रखने से बढ़ रहे वित्तीय दबाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ''मेरी पेट्रोलियम कंपनियों रोजाना 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।'' उन्होंने बताया कि लागत और बिक्री मूल्य का कुल अंतर बढ़कर लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गया है और एक तिमाही में एक लाख करोड़ रुपये का घाटा पूरे क्षेत्र के वार्षिक लाभ को खत्म कर सकता है।

॥ ओ३म् ॥

श्रद्धाञ्जलि सभा

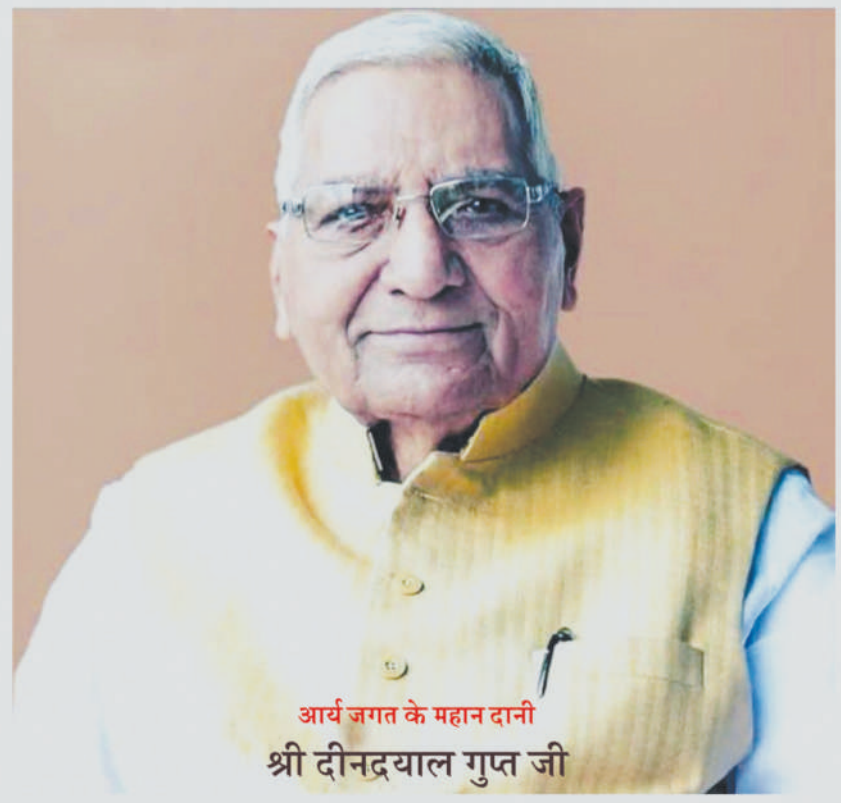

आर्य जगत के महान दानी

श्री दीनदयाल गुप्त जी

स्थान - आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल
महर्षि दयानन्द भवन, 42, शंकर घोष लेन, कोलकाता-700006
13 मई 2026, दिन - बुधवार, समय - 3 बजे से

(आचार्य योगेश शास्त्री)
महामंत्री

(आशीष मण्डल)
कोषाध्यक्ष

नागरिकों संग शासन-प्रशासन भी हो अनुशासित

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति शृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है। ऐसे में राष्ट्र हितों के मद्देनजर जीवन यापन करना, राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने जैसा है। विगत में कई बार जब देश पर संकट आया तो लोगों ने राष्ट्र की संप्रुभता की रक्षा के लिये सोना तक दान किया। आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल छह सौ से सात सौ टन सोना आयात होता है, लेकिन निर्यात का प्रतिशत ना के बराबर है। बताया जाता है कि देश का नब्बे फीसदी सोना आयात होता है। यह सोना अर्थव्यवस्था में सक्रिय न होकर घरों में एकत्र हो जाता है। एक अनुमान के अनुसार देश के घरों में करीब 27 हजार टन सोना जमा है। बड़ी मात्रा में डॉलर खर्च करके आयात होने वाला सोना देश के चालू खाते और विदेशी मुद्रा भंडार पर प्रतिकूल असर डालता है। ऐसे में सोने पर संयम अर्थव्यवस्था को संबल देने में मददगार हो सकता है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 13 मई, बुधवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष एकादशी, 13:24 तक, नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 24:04 तक, योग : विष्कंभ, 20:49 तक, सूर्योदय: 04:57, सूर्यास्त: 18:08, चन्द्रोदय : 02:41, चन्द्रास्त: 15:12, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 12:10 से 13:48

राशिफल

मेष : आज किस्मत आपके दरवाजे पर नए अवसरों की दस्तक दे सकती है। पैसों से जुड़े फैसले समझदारी से लेंगे तो लाभ की राह खुल सकती है। छोटी सावधानी बड़ा फायदा दे सकती है।

वृष : आज आपकी योजनाएं सफलता की सीढ़ियां बन सकती हैं। सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत हैं, जिससे आत्मविश्वास भी ऊंचा रहेगा। शुभ समाचार का माहौल खुशियां ला सकता है।

मिथुन : आज आप खुद को बेहतर बनाने के मूड में रहेंगे और यही सोच आपको आगे बढ़ाएगी। घर में खुशखबरी का माहौल बन सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी सलाह लोगों को प्रभावित करेगी।

कर्क : आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं। नया वाहन या घर से जुड़ी कोई खास खरीदारी मन को खुश कर सकती है। किसी मित्र की मदद करके आपको आत्मसंतोष मिलेगा।

सिंह : आज मेहनत का सुनहरा फल मिलने वाला है। व्यापार और निवेश दोनों में लाभ के अच्छे संकेत हैं। आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता झुकाव मन को शांति देगा।

कन्या : आज आपकी लगन और मेहनत आपको भीड़ से अलग पहचान दिला सकती है। नौकरी में तारीफ मिलेगी और विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

तुला : आज समझदारी से लिया गया हर फैसला भविष्य को मजबूत बना सकता है। व्यवसाय में नई योजनाएँ फायदा देने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

वृश्चिक : आज आपको पैसों और सेहत दोनों मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। पुराने विवाद खत्म होने से मन हल्का महसूस करेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात यादों को ताज़ा कर सकती है।

धनु : आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं। सम्मान या पुरस्कार मिलने से मन गर्व महसूस करेगा।

मकर : आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत है। मन में चल रही उलझनों को शांत दिमाग से सुलझाएं। नए काम की योजना भविष्य में बड़ा फायदा दे सकती है।

कुम्भ : आज छोटी चुनौतियां आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहना जरूरी होगा, क्योंकि कोई आपके खिलाफ माहौल बना सकता है। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है।

मीन : आज आपकी सकारात्मक सोच और ऊर्जा हर काम में चमक बिखेर सकती है। रुका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में लंबी योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं।

चिंतन शिविर: साझा दृष्टिकोण के ज़रिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

श्री पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, निगम, संघ और ज़मीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद ज़रुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज़ विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है।

फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नज़रिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर सभी के लिए खेल के साथ-साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग-अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद ज़रुरी है।

इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज़ एक आशय का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों-सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।

भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की ज़रुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। संकल्प वही रणनीतिक कड़ी है, जो इन सभी तत्वों को एक सुसंगत प्रणाली में जोड़ सकता है।

इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना है कि भारत का खेल भविष्य उज्ज्वल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।

चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं।

अगर हम वैश्विक खेल मंच पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को सही मायने में साकार करना चाहते हैं, तो इन संवादों का जारी रहना और इन्हें सामूहिक कार्रवाई से मदद मिलना भी ज़रुरी है। श्रीनगर खेल संकल्प हमें वह दिशा प्रदान करता है। चिंतन शिविर हमें वह मंच प्रदान करता है। ये दोनों मिलकर भारत को अपनी खेल संबंधी आकांक्षाओं को स्थायी ओलंपिक सफलता में बदलने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करते हैं।

(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच हैं)

नीट परीक्षा रद्द, छात्र परेशान, सड़क पर संग्राम

संजय सक्सेना

तीन मई को संपन्न हुई नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा पर एक बार फिर ग्रहण लग गया है। देशभर के लाखों छात्रों की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का ऐलान कर दिया। नीट परीक्षा में करीब 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। पेपर लीक की खबरों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया। राजस्थान से पेपर आउट होने की अफवाहें तेज हैं और विपक्ष ने इसे मोदी सरकार पर सीधा हमला बोल दिया। छात्र सड़कों पर उतर आए, आक्रोश की लहर दौड़ गई। सरकार ने आनन-फानन में नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे दिया है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है? शिक्षा माफिया की साजिशें कब थमेगी? यह कोई नई घटना नहीं। पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ छात्रों का भविष्य दांव पर लगा दिया, बल्कि राजनीतिक घमासान भी खड़ा कर दिया। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या परीक्षा प्रणाली में सुधार की बातें बेईमानी साबित हो रही हैं? क्या सरकार भरोसा दिला सकती है कि दोबारा परीक्षा लीक नहीं होगी? बात नीट कांड की शुरुआत कैसे हुई, की जाए तो तीन मई को सुबह नौ बजे शुरू हुई परीक्षा के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर पेपर के सवाल वायरल हो गए। राजस्थान के सीकर और जयपुर इलाकों से लीक की पुष्टि हुई। तत्पश्चात, पुलिस अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है, जिनमें परीक्षा केंद्र के कुछ कर्मचारी और दलाल शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां साजिश के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर रही हैं। छात्रों का कहना है कि बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी पेपर पहले से बिक रहा था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने रद्दीकरण का फैसला लेते हुए नई तारीख जल्द घोषित करने का वादा किया है, लेकिन छात्रों का गुस्सा ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली, मुंबई और पटना में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परिवार वाले चिंतित हैं कि दोबारा परीक्षा का बोझ कैसे झेलें।

पिछले सालों के काले अध्याय याद आते हैं, जब परीक्षा प्रणाली पर सेंध लग चुकी थी। 2015 में वाइब्रेंट गुजरात के दौरान आयोजित जीएलओई परीक्षा का पेपर लीक हुआ। सैकड़ों उम्मीदवारों को फायदा पहुंचा। फिर 2021 में बिहार के बीपीएससी परीक्षा का मामला सामने आया, जहां पेपर सॉल्वर गिरोह ने हल्ला बोल दिया। 2022 में यूपीटीईटी का पेपर लीक हुआ, जिसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए, लेकिन दोषियों को सजा मिलने में देरी हुई। इसी साल फरवरी में रोहिणी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। बिहार में नीट पीजी का कांड तो सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर परीक्षा स्थगित की। महाराष्ट्र में एमपीएससी का पेपर लीक होने से हड़कंप मच गया। ये घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा माफिया का जाल कितना गहरा है। ये गिरोह परीक्षा केंद्रों के अंदरूनी लोगों से सेटिंग कर पेपर हासिल कर लेते हैं और अमीर छात्रों को बेच देते हैं। इन पेपर लीक मामलों पर राजनीति का खेल हमेशा चरम पर रहता है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी बताकर हमला बोलता है। इस बार नीट रद्दीकरण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राहुल गांधी ने संसद में बहस की मांग की। आप के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में छात्रों का साथ देते हुए शिक्षा मंत्री पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा ने इसे राज्य सरकारों की साजिश बताया, खासकर राजस्थान और बिहार में। 2022 के यूपीटीईटी कांड में सपा ने योगी सरकार को घेरा था, जबकि भाजपा ने विपक्षी राज्यों को जिम्मेदार ठहराया। बिहार में नीट पीजी लीक पर आरजेडी और जदयू ने नीतीश कुमार सरकार पर तीर चलाए। हर बार चुनावी मौसम में ये मामले राजनीतिक हथियार बन जाते हैं। पार्टियां वोट बैंक के लिए छात्र आंदोलनों का फायदा उठाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान कोई नहीं देता। यह राजनीतिक नौटंकी छात्रों के दर्द को और बढ़ा देती है।

वैसे, पेपर लीक कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लंबा है, लेकिन नाकाफी। पुलिस अक्सर गिरफ्तारियां तो करती है, मगर सजा मिलना मुश्किल होता है। 2022 के यूपीटीईटी मामले में एसटीएफ ने 15 लोगों को पकड़ा, लेकिन अदालत में केस लंबा खिंच गया। बिहार में 2024 के बीपीएससी कांड में 20 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं, कई को जमानत मिल गई। राजस्थान पुलिस ने नीट मामले में अब तक आठ को हिरासत में लिया, लेकिन मास्टरमाइंड फरार हैं। कानून में सख्त प्रावधान हैं। पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एक्ट 2024 के तहत पेपर लीक पर दस साल की सजा और जुर्माना है। फिर भी अमल कमजोर है। सॉल्वर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए विशेष अदालतें बनाई गईं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। कई मामलों में अधिकारी ही शामिल पाए गए, जिससे जांच प्रभावित होती है। कार्रवाई दिखावटी रह जाती है। परीक्षा लीक मामले में न्यायपालिका ने कई बार सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी लीक पर केंद्र को फटकार लगाई और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया। यूपीटीईटी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लग सकता। 2023 में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा पर पटना हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच ने स्पष्ट कहा कि पेपर लीक पारदर्शिता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल सर्विलांस और सख्त सुरक्षा के निर्देश दिए। लेकिन कोर्ट के फैसले लागू करने में देरी होती है। न्यायपालिका ने कई बार सरकार को केंद्रीय एजेंसी बनाने का सुझाव दिया, ताकि राज्य स्तर पर भ्रष्टाचार रोका जा सके। कोर्ट छात्रों के हित में खड़ा दिखता है, लेकिन सिस्टम की कमजोरी उजागर करता रहता है।

एनजीओ ने भी इस लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। राइट टू एजुकेशन फोरम और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन जैसे संगठन ने कई पिटीशन दाखिल कीं। 2022 में यूपीटीईटी पीड़ित छात्रों ने एनजीओ की मदद से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ट्रांसपेरेंसी इन एजुकेशन सोसाइटी ने नीट कांड पर रिपोर्ट जारी कर मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इस्तेमाल हो। ये संगठन छात्रों को कानूनी सहायता देते हैं और जागरूकता फैलाते हैं। बिहार में जस्टिस फॉर स्टूडेंट्स एनजीओ ने सॉल्वर गिरोह के खिलाफ स्टिंग ऑपरेशन किए। एनजीओ ने सरकार पर दबाव डाला कि पेपर लीक रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम अपनाया जाए। इनकी सक्रियता से कई मामलों में तेज कार्रवाई हुई, लेकिन संसाधनों की कमी से प्रभाव सीमित रहता है। फिर भी ये सिविल सोसाइटी की आवाज बनते हैं। बहरहाल, लाख टके का सवाल यही है कि यह सिलसिला कब थमेगा? नीट रद्दीकरण ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों का एक साल बर्बाद हो गया। शिक्षा माफिया को कुचलने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राजनीतिक दलों को आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर सुधार पर ध्यान देना चाहिए। न्यायपालिका और एनजीओ की भूमिका सराहनीय है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। अगर अब भी सुधार नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। छात्रों की मेहनत व्यर्थ नहीं होनी चाहिए। उम्मीद है कि इस कांड से सबक लिया जाएगा।

-वरिष्ठ पत्रकार

आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों परिवारों को राहत, 42 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) देश में गरीब और कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा आधार बनकर उभरी है। दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना मानी जाने वाली इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है।

23 सितंबर 2018 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। सरकार के अनुसार अब तक 42 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जबकि 70 वर्ष से अधिक आयु के 86 लाख से ज्यादा वरिष्ठ नागरिक योजना में नामांकित हो चुके हैं।

देशभर में 33 हजार से अधिक सरकारी और निजी अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं, जहां लाभार्थियों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार योजना शुरू होने के बाद से लोगों ने स्वास्थ्य खर्च में 1.52 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है।

सरकार का कहना है कि आयुष्मान भारत केवल बीमा योजना नहीं, बल्कि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में एक व्यापक पहल है। इसके तहत कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य गांवों से लेकर शहरों तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर से गांवों तक स्वास्थ्य सुविधा

आयुष्मान भारत के तहत स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घरों के नजदीक पहुंचा रहे हैं। यहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य, आपात चिकित्सा, आंख, कान-नाक-गला तथा पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के जरिए मरीज डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श भी ले पा रहे हैं। सितंबर 2025 तक 39 करोड़ से अधिक टेलीकंसल्टेशन किए जा चुके हैं।

डिजिटल मिशन से जुड़ रही स्वास्थ्य सेवाएं

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत लोगों को एबीएचए हेल्थ आईडी दी जा रही है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रह सकें। अब तक लगभग 80 करोड़ एबीएचए खाते बनाए जा चुके हैं और लाखों स्वास्थ्य पेशेवर तथा स्वास्थ्य संस्थान इस डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुके हैं।

स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने पर जोर

कोविड-19 महामारी के बाद सरकार ने पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन भी शुरू किया, जिसके तहत अस्पतालों, क्लीनिकों और स्वास्थ्य अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। वर्ष 2021 से 2026 तक चलने वाली इस योजना के लिए 64 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट निर्धारित किया गया है।

केंद्र सरकार का कहना है कि आयुष्मान भारत योजना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, सस्ती और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों परिवारों को राहत, 42 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) देश में गरीब और कमजोर वर्गों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा आधार बनकर उभरी है। दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना मानी जाने वाली इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है।

23 सितंबर 2018 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। सरकार के अनुसार अब तक 42 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जबकि 70 वर्ष से अधिक आयु के 86 लाख से ज्यादा वरिष्ठ नागरिक योजना में नामांकित हो चुके हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर से गांवों तक स्वास्थ्य सुविधा

आयुष्मान भारत के तहत स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घरों के नजदीक पहुंचा रहे हैं। यहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य, आपात चिकित्सा, आंख, कान-नाक-गला तथा पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के जरिए मरीज डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श भी ले पा रहे हैं।

डिजिटल मिशन से जुड़ रही स्वास्थ्य सेवाएं

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत लोगों को एबीएचए हेल्थ आईडी दी जा रही है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रह सकें। अब तक लगभग 80 करोड़ एबीएचए खाते बनाए जा चुके हैं और लाखों स्वास्थ्य पेशेवर तथा स्वास्थ्य संस्थान इस डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुके हैं।

वर्ग पहेली नं. 3437

1		2	■	3		4	5	■	6
	■		■		■	7			
	■	8	9		10	■		■	
11	12	■		■	13	14	■	15	
■		■		■	16		17		■
18		19		20		■	21		22
■	23		■		■	24		■	
25		■	26				■	27	
28		■	29		■	30			■

बायें से दायें:- 1) छोटा ख़ानेदार थैला, 3) आग पकड़ना, 7) गुंडागर्दी, 8) चंद्रमा, 11) प्रत्येक 13) लक्ष्मी, 15) बाप, 16) आँख से डाँटना, 18) जलपोत का समुद्र में पहुँचना, 21) भुलावा, 23) उपासक, 24) ठिंगना, 25) गाँजे की जाति का एक पौधा, 26) क़ब्र पर बनी इमारत, 27) फ़र्ज़ी, 28) विजय, 29) वृक्ष का धड़, 30) गीत.

ऊपर से नीचे:- 1) अंटशंट, 2) विश्राम, 3) आसानी, 4) हनुमानजी का आयुध, 5) मूर्खता, 6) प्राधान्य, 9) सच्चाई, 10) पात्र, 12) ढकोसलेबाज़; बकध्यानी, 14) वजह से, 15) शिवजी का धनुष, 17) बनावट, 19) समय, 20) हिंडोले पर झूलना, 22) सामान्य, 24) पागल हो जाना, 25) चुग़ली; कटाक्ष, 26) नहीं, 27) प्रमुख (मसजिद); परिधान.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

दि	न	रा	त	■	अ	भा	व	ग्र	स्त
मा	■	ह	म	ला	व	र	■	■	व
ग़	म	■	ग़ा	■	हे	■	ग़	ब	न
■	त	■	■	आ	ल	स	■	द	■
ब	ल	वा	न	■	ना	मी	गि	रा	मी
■	ब	र	क	त	■	क्ष	■	■	च
ख़ै	■	■	बे	■	झ	क	झो	र	ना
रा	ह	■	स	फ़	र	■	■	वै	■
त	क़	दी	र	■	ना	का	म	या	बी

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3395

	5					8		4
		2	8		7			5
			3	9		1		2
			7					
		6	5		1		3	
9				6		2		
3						4		1
6	4	8						

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3394 का उत्तर

4	6	7	9	8	5	2	3	1
8	9	2	1	3	6	7	4	5
3	5	1	2	7	4	6	8	9
6	2	8	4	9	3	1	5	7
5	1	9	7	6	8	3	2	4
7	3	4	5	2	1	9	6	8
2	4	5	6	1	7	8	9	3
1	8	6	3	4	9	5	7	2
9	7	3	8	5	2	4	1	6

तपसिया में बहुमंजिला इमारत में आग लगने से दो लोगों की मौत, तीन घायल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के तिलजला थाना क्षेत्र अंतर्गत तपसिया इलाके में मंगलवार की दोपहर एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना में कई लोग झुलस गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनका इलाज कलकत्ता नेशनल मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, तपसिया के 50/1 जीजे खान रोड स्थित पांच मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर दोपहर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और इमारत के अन्य हिस्सों में फैल गई। आग लगने के समय पांच से छह लोग भीतर फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। बताया गया है कि दोपहर करीब 1:45 बजे दमकल को आग लगने की खबर मिली। इसके बाद, दमकल की कई गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया गया। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में, सभी घायलों को नेशनल मेडिकल कालेज भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन अन्य का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता आग बुझने के बाद जांच के जरिए लगाया जाएगा।

✒ सीएम के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज व जांच समिति गठित, आज सुबह रिपोर्ट सौंपने का आदेश

घटना के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने एक आदेश जारी कर कोलकाता पुलिस को आगजनी के संबंध में तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। आग से 'जान–माल का भारी नुकसान' हुआ। राज्य सरकार ने घटनास्थल की विस्तृत जांच और सर्वेक्षण करने तथा संबंधित दस्तावेजों की जांच करने के लिए चार सदस्यीय विभागीय समिति का भी गठन किया है। इस समिति में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, कोलकाता पुलिस आयुक्त और कोलकाता नगर निगम के नगर आयुक्त शामिल हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समिति इस बात की जांच करेगी कि क्या इकाई में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपाय और वैधानिक स्वीकृतियां मौजूद थीं। अधिकारी ने कहा कि समिति को आज सुबह 11 बजे तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग के चार वाहनों की मदद से दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

✒ मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने घटनास्थल का किया दौरा, इमारत को बताया 'अवैध'

घटना की जानकारी मिलने के बाद मंत्री अग्निमित्रा पॉल भी मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जिस इमारत में आग लगी, वह पूरी तरह अवैध बताई जा रही है। उनके अनुसार, इमारत को न तो फायर विभाग से एनओसी मिली थी और न ही जरूरी फायर लाइसेंस जारी किया गया था। इसके बावजूद वहां काम चल रहा था, जो बेहद गंभीर लापरवाही मानी जा रही है। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि राज्य में इस तरह की अवैध इमारतें लंबे समय से बनती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय ऐसी इमारतों को बढ़ावा मिला। मंत्री ने कहा कि इससे पहले कस्बा इलाके में वाओ मोमो फैक्ट्री में भी आग लगने की घटना सामने आई थी और अब तपसिया में फिर ऐसा हादसा हो गया। उन्होंने कहा कि बार-बार हो रही ऐसी घटनाएं प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती हैं।

पूर्व मंत्री सुजीत बोस को नौकरी घोटाले में 21 मई तक ईडी हिरासत

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता की एक अदालत ने मंगलवार को राज्य के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले के मामले में 21 मई तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। बता दें कि सुजीत बोस के केंद्रीय एजेंसी ने सोमवार की देर रात कई घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था और बाद में बैंकशाल अदालत में पेश किया गया। ईडी ने अदालत को बताया कि बोस ने नगर निकाय की भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर पूछताछ के दौरान जानकारी छिपाई और विरोधाभासी बयान दिए। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह दलील देते हुए पूर्व अग्निशमन सेवा मंत्री की 10 दिन की हिरासत की मांग की कि उनकी रिहाई से जांच प्रभावित हो सकती है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद

अदालत ने आदेश दिया कि सुजीत बोस को 21 मई तक ईडी हिरासत में रखा जाए। उन्हें अदालत में पेश किए जाने से पहले बिधाननगर उप–जिला अस्पताल में चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि बोस और उनके परिवार से जुड़े बैंक खातों की जांच में करोड़ों रुपये की जमा राशि का पता चला है। तृणमूल नेता के वकील ने गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाते हुए दलील दी कि जिन दस्तावेजों के आधार पर सुजीत बोस को गिरफ्तार किया गया, वे ईडी के पास 2022, 2023 और 2024 से ही मौजूद थे।

राशन से आटा हटाने का आदेश, खाद्य मंत्री बोले... 'एक हफ्ते में सरकार की कार्ययोजना होगी स्पष्ट'

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के नवनियुक्त खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री अशोक कीर्तनिया ने मंगलवार को राज्य में राशन सामग्री की सूची से गेहूं के आटे (होल व्हीट फ्लोर) को हटाने का आदेश दिया। उन्होंने दावा किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में सबसे ज्यादा घोटाले और भ्रष्टाचार आटे की सप्लाई में हो रहे हैं। मंत्री किर्तानिया ने कहा कि जनता नई सरकार को काम करने के लिए एक सप्ताह का समय दे, जिसके बाद सरकार की कार्ययोजना स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी (भाजपा) ने हमें बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी है। पार्टी का मानना है कि बंगाल में सबसे बड़े घोटाले खाद्य और शिक्षा विभाग में हुए हैं। किर्तानिया ने कहा कि उन्हें खाद्य विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है और वे पार्टी के भरोसे को बनाए रखने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अब बहुत हो चुका। आगे कोई घोटाला नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी तरह के भ्रष्टाचार या घोटाले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने कहा कि चाहे कोई अधिकारी हो या मिल मालिक, अगर कोई गलत काम में शामिल पाया गया तो उसे माफ नहीं किया जाएगा। खाद्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में खाद्य विभाग का सबसे बड़ा घोटाला आटे को लेकर हो रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राशन सूची से गेहूं का आटा हटाने के निर्देश दे दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि ऐसा करने से सरकार को नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी मात्रा में आटा पहले से स्टॉक में मौजूद है। इस पर, मंत्री ने स्पष्ट किया कि जितना आटा पहले से गेहूं पिसवाकर तैयार किया जा चुका है, केवल उसी का वितरण किया जाएगा। उसके बाद पश्चिम बंगाल के राशन में आटा शामिल नहीं रहेगा।

शुभेंदु के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ली

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथ में ले ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मामले की जांच के लिए सीबीआई ने कई राज्यों के अनुभवी अधिकारियों का सात सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने पुलिस द्वारा पहले दर्ज की गई प्राथमिकी को पुन: दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि एसआईटी का नेतृत्व डीआईजी रैंक का एक अधिकारी कर रहा है। जांच टीम में दिल्ली, पटना, रांची, धनबाद और लखनऊ से सात अनुभवी अधिकारियों को शामिल किया गया है, जबकि कोलकाता के जॉइंट डायरेक्टर पूरे ऑपरेशन की निगरानी करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, जरूरत पड़ने पर टीम में और अधिकारियों को भी जोड़ा जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने सोमवार रात को जांच अपने हाथ में ले ली और मामले की व्यापक और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के लिए एक टीम का गठन किया है। अंतरराज्यीय आपराधिक संबंधों और साजिश सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। सीबीआई का विशेष जांच दल अब हत्या के पीछे की बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

तापस रॉय ने विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में शपथ ली

आज और कल नवनिर्वाचित विधायकों की होगी शपथ

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के वरिष्ठ नेता तापस रॉय ने मंगलवार को विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष पद के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद नवगठित सदन की औपचारिक कार्यवाही शुरू हो गई। रॉय ने कहा कि अध्यक्ष पद का चुनाव शुक्रवार को होगा। इस दिन, राज्यपाल आर.एन. रवि ने लोक भवन में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, नवनियुक्त मंत्रियों और कई नवनिर्वाचित विधायकों की उपस्थिति में तापस रॉय को अस्थायी अध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों की शपथ बुधवार और गुरुवार को होगी, जबकि अध्यक्ष पद

का चुनाव शुक्रवार को किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी असम में हिमंत विश्व शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद कोलकाता लौटे और इसके तुरंत बाद इस समारोह में पहुंचे। तय कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और अन्य मंत्री बुधवार के पहले सत्र में विधायक के रूप में शपथ लेंगे। इसी दौरान उत्तर बंगाल के जिलों और मुर्शिदाबाद के नवनिर्वाचित सदस्य भी शपथ ग्रहण करेंगे। बुधवार के दूसरे सत्र में नदिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों के विधायक शपथ लेंगे। गुरुवार को पहले सत्र में कोलकाता, हावड़ा, हुगली, पूर्व मेदिनीपुर और झाड़ग्राम जिलों के विधायक शपथ लेंगे, जबकि दूसरे सत्र में पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुड़ा, पूर्व बर्दवान, पश्चिम बर्दवान और बीरभूम जिलों के विधायक शपथ ग्रहण करेंगे।

केंद्रीय परियोजनाओं में देरी नहीं, विभागों को तेजी से काम करने का निर्देश

✒ नए मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ की अहम बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के नए मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने पदभार संभालने के बाद नवान्न में विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। लगभग दो घंटे चली इस बैठक में उन्होंने राज्य में लंबित केंद्रीय परियोजनाओं को तेजी से लागू करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को शुरू करने में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित विभागों को आवश्यक प्रशासनिक कदम तुरंत उठाने होंगे। बैठक में उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सत्तारूढ़ दल के

चुनावी घोषणापत्र में शामिल परियोजनाओं को लागू करने के लिए विभाग जल्द विस्तृत कार्ययोजना और खाका तैयार कर भेजें। मनोज कुमार अग्रवाल ने सभी विभागों के सचिवों से समन्वय और तत्परता के साथ काम करने को कहा, ताकि विकास परियोजनाओं का लाभ जल्द लोगों तक पहुंचाया जा सके। नवान्न सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में विभिन्न विभागों की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

खेल मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने 'मेस्सी प्रकरण' की जांच के दिए संकेत

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के खेल मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने सॉल्टलेक स्टेडियम में फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी से जुड़े विवादित प्रकरण की जांच के मंगलवार को संकेत दिए और आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण राज्य में खेल व्यवस्था प्रभावित हुई। इस दिन, खेल विभाग का कार्यभार संभालने के बाद, प्रमाणिक ने कहा कि उन्होंने इस घटना से संबंधित फाइल मंगवाई है, जिससे संकेत मिलते हैं कि आयोजन से जुड़े अधिकारियों और आयोजकों की भूमिका की संभावित जांच की जा सकती है। प्रामाणिक ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना थी। मैंने फाइल मंगवाई है और जरूरत पड़ने पर मैं मुख्यमंत्री से भी बात करूंगा। हमारी कोशिश मेस्सी प्रकरण से प्रभावित लोगों की पीड़ा कम करने की होगी।

गैर–श्रेणीबद्ध नेताओं की सुरक्षा वापस लेने का फैसला, शुभेंदु सरकार का बड़ा कदम

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा फैसला लिया है। पश्चिम बंगाल डायरेक्टरेट ऑफ सिक्योरिटी ने राज्य के विभिन्न राजनीतिक दलों के उन सभी नेताओं और व्यक्तियों की सुरक्षा तत्काल प्रभाव से वापस लेने का निर्देश जारी किया है, जो नॉन–कैटेगराइज्ड सुरक्षा श्रेणी में आते हैं। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि जिन नेताओं को किसी निर्धारित सुरक्षा श्रेणी – जैसे एक्स, वाई, वाई प्लस, जेड या जेड प्लस – में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें दी गई सुरक्षा अब समाप्त कर दी जाएगी। हालांकि, यदि किसी व्यक्ति को वास्तविक सुरक्षा खतरे की आशंका होती है, तो थ्रेट परसेप्शन रिव्यू यानी खतरे के स्तर की समीक्षा के बाद दोबारा सुरक्षा देने पर विचार किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, राज्य में लंबे समय से कई राजनीतिक नेताओं को बिना किसी औपचारिक श्रेणी के सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराए गए थे। किसी को दो और किसी को चार सुरक्षा कर्मियों की सुविधा दी गई थी। अब सरकार ने इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करते हुए इसे समाप्त करने का निर्णय लिया है। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान विधायकों में जो नेता किसी सुरक्षा श्रेणी में शामिल नहीं हैं, उन्हें आवश्यकता के आधार पर एक–एक पीएसओ यानी पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर दिया जा सकता है। सरकार का मानना है कि सुरक्षा व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए यह कदम जरूरी है।

सरकारी दफ्तरों में फिर सख्ती, सुबह 10:15 से शाम 5:15 तक अनिवार्य ड्यूटी

शुभेंदु सरकार ने आदेश जारी कर समय तय किया

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में नई सरकार बनने के बाद प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को लेकर सख्ती शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निर्देश पर राज्य सरकार ने सरकारी कार्यालयों में तय समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। मंगलवार को राइटर्स बिल्डिंग से राज्य सरकार के डिप्टी सेक्रेटरी की ओर से इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। जारी निर्देश के अनुसार, अब सभी सरकारी कर्मचारियों को सुबह 10 बजकर 15 मिनट तक अपने विभागीय कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। वहीं शाम 5 बजकर 15 मिनट से पहले किसी भी कर्मचारी को कार्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। अधिसूचना में स्पष्ट कहा गया है कि कार्यालयों के कामकाज को सुचारु और प्रभावी बनाए रखने के लिए यह समय सीमा तय की गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ड्यूटी के दौरान बीच में बाहर जाना या लंबे समय तक अनुपस्थित रहना स्वीकार नहीं किया जाएगा। कर्मचारियों को पूरे कार्यकाल के दौरान अपने विभाग में मौजूद रहना होगा। वित्त विभाग की ओर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि वर्तमान समय में कई विभागों में काम का दबाव काफी बढ़ा हुआ है और लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए यह कदम उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, नई सरकार प्रशासनिक अनुशासन और जवाबदेही को प्राथमिकता देना चाहती है। इसी कारण सरकारी कार्यालयों में समय पालन और उपस्थिति को लेकर निगरानी भी बढ़ाई जा सकती है। आने वाले दिनों में विभिन्न विभागों में औचक निरीक्षण और उपस्थिति की समीक्षा की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

बारुइपुर थाने के आईसी और सब-इंस्पेक्टर निलंबित

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के प्रत्याशी के साथ मारपीट के आरोप में दो पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। दक्षिण 24 परगना जिले के बारुइपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक (आईसी) समर दे और सब-इंस्पेक्टर सुकुमार हंसदा को निलंबित किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मतदान परिणाम घोषित होने के अगले दिन पांच मई को बारुइपुर पश्चिम के भाजपा प्रत्याशी बिश्वजीत पाल के साथ पुलिस द्वारा कथित रूप से शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया था। इस मामले में बिश्वजीत पाल ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर राज्य पुलिस ने जांच शुरू की। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद बारुइपुर थाने के आईसी और सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

सियालदह–लालगोला खंड में नौ पैसेंजर ट्रेनें एमईएमयू रेक के साथ चलेंगी

सियालदह–लालगोला खंड के यात्रियों, यात्री संघों और जन प्रतिनिधियों के लगातार अनुरोधों के प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित 09 मौजूदा निर्धारित पैसेंजर ट्रेनें **दिनांक 14.05.2026** से शौचालय सुविधा वाले एमईएमयू रेक के साथ चलेंगी: **1. 63105 सियालदह–लालगोला एमईएमयू पैसेंजर, 2. 63134 लालगोला–रानाघाट एमईएमयू पैसेंजर, 3. 63133 रानाघाट–लालगोला एमईएमयू पैसेंजर, 4. 63104 लालगोला–सियालदह एमईएमयू पैसेंजर, 5. 63177 सियालदह–लालगोला एमईएमयू पैसेंजर, 6. 63108 लालगोला–सियालदह एमईएमयू पैसेंजर, 7. 63107 सियालदह–लालगोला एमईएमयू पैसेंजर, 8. 63106 लालगोला–सियालदह एमईएमयू पैसेंजर, 9. 63111 सियालदह–रानाघाट एमईएमयू पैसेंजर।**

टिप्पणी: सियालदह–लालगोला खंड में शौचालय सुविधा के साथ एमईएमयू सेवाओं की संख्या को अधिकतम करने के लिए निम्नलिखित मौजूदा एमईएमयू सेवाओं को अभी ईएमयू रेक का उपयोग करते हुए संचालित किया जाएगा। **1. 63101 कोलकाता–लालगोला एमईएमयू पैसेंजर, 2. 63102 लालगोला–कोलकाता एमईएमयू पैसेंजर।**

मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222–एस/1/3/डब्ल्यू–II, दिनांक 11.05.2026, मंडल अभियंता/III, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई–निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन–20–26–27, कार्य का नाम:** डीईएन/III/सियालदह के कार्यक्षेत्र में एसएसई (पी.वे)/कृष्णनगर के अधीन कृष्णनगर–आमघाटा खंड, कृष्णनगर यार्ड और कालीनारायणपुर यार्ड में ट्रैक रखरखाव कार्य एवं सभी सहायक कार्य। **निविदा मूल्य:** रु.1,09,30,360.45, **बयाना राशि:** रु.2,18,600/–, **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन–21–26–27, कार्य का नाम:** डीईएन/3/सियालदह के कार्यक्षेत्र में एसएसई/पी.वे/भगवानगोला के अधीन आजिमगंज–मुर्शिदाबाद खंड, मुर्शिदाबाद यार्ड में ट्रैक रखरखाव कार्य एवं सभी सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 82,40,911.58, **बयाना राशि :** रु.1,64,800/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 05.06.2026 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 05.06.2026 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-37/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

दो जोड़ी ट्रेनों का पुनर्निर्धारण

दक्षिण पूर्व रेलवे के तहत खड़गपुर मंडल में नारायणगढ़ – भद्रक तीसरी लाइन के कार्य के संबंध में, रूपसा यार्ड में यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के लिए, **दिनांक 01.06.2026 से 06.06.2026 तक नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य** का निष्पादन किया जाएगा और **दिनांक 07.06.2026 (रविवार)** को **04 घंटे (10.30 बजे से 14.30 बजे तक)** संपूर्ण ट्रैफिक ब्लॉक आवश्यक होगा। इसके फलस्वरूप, **22612 न्यू जलपाईगुड़ी – एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 05.06.2026) को न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से 1 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा और **12551 एसएमवीटी बेंगलुरु – कामाख्या एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 06.06.2026) को एसएमवीटी बेंगलुरु स्टेशन से 3 घंटे के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा।

तीन जोड़ी ट्रेनों की संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू

पूर्व तट रेलवे के तहत खोरधा रोड मंडल के पुरी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के उन्नयन कार्य के लिए, निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेंगी/संक्षिप्त यात्रा शुरू करेंगी:–● **15643 पुरी – कामाख्या एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 23.05.2026 और 30.05.2026), **22202 पुरी – सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 16.05, 19.05, 21.05, 23.05, 26.05, 28.05 और 30.05.2026) एवं **15639 पुरी – कामाख्या एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 19.05.2026 और 26.05.2026) मालतीपाटपुर स्टेशन से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेंगी ● **15644 कामाख्या – पुरी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 21.05.2026 और 28.05.2026), **22201 सियालदह – पुरी दुरंतो एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 18.05, 20.05, 22.05, 25.05, 27.05 और 29.05.2026) एवं **15640 कामाख्या – पुरी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 17.05.2026 और 24.05.2026) मालतीपाटपुर स्टेशन पर संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/24, दिनांक: 11.05.2026, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता–700001, पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:

(क) क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि : (1); 10261767; डीसी–डीसी कंवर्टर का सेट आदि; रु. 101310, **निविदा खुलने की तिथि:** 02.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(2); 10261053;** इलेक्ट्रो वाल्व एनर्जाइज्ड आदि; रु. 153300, **निविदा खुलने की तिथि:** 04.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(3); 21261460;** बीएमबीएस बोगी के लिए पिन का क्रय; रु. 167090, **निविदा खुलने की तिथि:** 29.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(4); 14251162;** टॉप पुश रोलर के साथ प्रिसिशन लिमिट स्विच का क्रय, 2एनओ+2एनसी (कॉन्टैक्ट ब्लॉक के साथ अनुरूप असेंबल किया गया)। स्विच का अपेक्षित जीवन काल कम से कम 10X1000000 ऑपरेशन होना चाहिए। आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन संख्या आरडीएसओ/एसपीएन/208/2012, संस्करण 2.0 आदि; रु. 214700 **(5); 19265001;** 6 वर्षीय शेड्यूल के लिए किट आदि; रु.124430, **निविदा खुलने की तिथि:** 28.05.2026, **समय:** 13.30 बजे(क्रम सं. 4 एवं 5 हेतु) **(6); 21251524बी;** बीआरएन वैगन के लिए फैब्रिकेटेड साइड स्टैंचियन का क्रय; रु. 351280, **निविदा खुलने की तिथि:** 29.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(7); 21262105;** स्प्रिंग लोडेड साइड बेयरर असेंबली आदि का क्रय; रु. 355200, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(8); 08261649;** ट्रैक्शन मोटर के लिए अर्थ रिटर्न ब्रश असेंबली का क्रय आदि; रु.160050, **निविदा खुलने की तिथि:** 08.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(9); 16261017;** 25केवी, सिंगल पोल वैक्यूम सर्किट ब्रेकर; रु. 178420, **निविदा खुलने की तिथि:** 05.06.2026, **समय:** 13.30 बजे**(10); 16265003;** 150 वर्ग मिमी का जॉइंट–लेस हार्ड ड्रॉन ग्रूव्ड कॉपर कॉन्टैक्ट वायर; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 29.05.2026, **समय:** 13.30 बजे**(11); 11265008ए;** एयरोसोल फायर डिटेक्शन एवं सप्रेशन सिस्टम की आपूर्ति एवं स्थापना; रु. 535680, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(12); 10262360ए;** सिग्नल रूटिंग कार्ड.; रु. 146040, **निविदा खुलने की तिथि:** 02.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(13); 1226_डीएक्सआईएनजी_डीएस_6494;** 1 इन 8.5 डायमंड क्रॉसिंग एवं टी–6494 के लिए चालू ठेका; रु. 2000000 **(14); 1226_डी-स्विच_6068;** डिरेलिंग स्विच 60 केजी 1 इन 8.5 (टी–6068) के क्रय के लिए चालू ठेका; रु. 1321190, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.05.2026, **समय:** 13.30 बजे (क्रम 13 एवं 14 हेतु) **(15); 1226-एफएस_स्विच_4733;** आरडीएसओ ड्राइंग नं. टी–4733 के तहत पीएससी स्लीपरों पर 52 केजी रेल के लिए 10125 मिमी के एफ/एस स्विच 52 केजी (या) 1 इन 12 टर्नआउट बीजी (1673 मिमी) के लिए स्विच कर्व्ड के क्रय हेतु चालू ठेका; रु. 1503260, **निविदा खुलने की तिथि:** 19.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(16); 12261049;** आरडीएसओ ड्राइंग नं. टी–8747 के अनुसार चौड़े पीएससी स्लीपर के साथ इस्तेमाल के लिए कम्पोजिट ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट (सीजीआरएसपी) 10 मिमी मोटाई का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 12.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(17); 12261015;** आरडीएसओ स्टैंडर्ड ड्राइंग नं. टी–6441, ऑल्ट–04 के अनुसार पीएससी स्लीपरों पर 1 इन 8.5 बीजी 60 केजी वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 02.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(18); 1226-डीआर_स्विच-5836;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. (टी–5836 ऑल्ट.3) के समरूप पीएससी स्लीपर पर 1 इन 8.5 फैन शेप्ड लेआउट के लिए बीजी, 52 केजी रेल्स के लिए उपयुक्त 6400 मिमी ओवरराइडिंग डिरेलिंग स्विच (आरएच) का गठन एवं आपूर्ति; रु. 337860, **निविदा खुलने की तिथि:** 12.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(19); 12261034;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी–3740, ऑल्ट.7 के तहत 60 केजी (यूआईसी) रेल्स के लिए कंक्रीट स्लीपरों पर इलास्टिक रेल क्लिप फ्लैट टो के साथ इस्तेमाल करने के लिए मेटल लाइनरों का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 12.06.2026, **समय:** 13.30 बजे **(20); 1226मेटललाइनर8616_8617;** आरडीएसओ ड्राइंग नं. टी–8616 एवं 8617 (ऑल्ट.1) के तहत कॉम्बिनेशन मेटल लाइनर का निर्माण एवं आपूति; रु. 128160, **निविदा खुलने की तिथि:** 29.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(21); 1226_एसपीसीएल_स्लीपर;** स्पेशल टाइप पीएससी स्लीपरों के क्रय के लिए चालू ठेका; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 28.05.2026, **समय:** 13.30 बजे **(22); 12261036;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी–8746 के तहत पीएससी चौड़े स्लीपरों के साथ इस्तेमाल करने के लिए आरडीएसओ ड्राइंग नं. टी–8748 (ऑल्ट.1) के तहत मेटल लाइनर का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 19.06.2026, **समय:** 13.30 बजे। **निविदा मूल्य:** रु. 0.00 [क्रम सं. 1 से 22 के लिए]।

(ख) क्रम सं.1; निविदा सं. 52266075, संक्षिप्त विवरण: सिलेंडर हेड रिपेयर किट, **निविदा की अंतिम तिथि:** 08.06.2026, **अनुमानित निविदा मूल्य:** रु. 18275400/-

टिप्पणी: उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई–निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

STORES-09/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, पिन-723121, पश्चिम बंगाल निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदा बंद होने की तारीख और समय है **01.06.2026 को सुबह 11:00 बजे।** विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सूचना संख्या: एसएनटी_ई_टेंडर_एडीए_26_27_08, दिनांक: 11.05.2026। कार्य का नाम:** आद्रा मंडल में छह अदद गुड्स शेडों (अर्थात राधानगर, भागा, रुकनी, चौरासी, बांकुड़ा (न्यू) एवं बोकारो ई केबिन] में सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,56,19,486.26। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सूचना संख्या: एसएनटी_ई_टेंडर_एडीए_26_27_09, दिनांक: 11.05.2026। कार्य का नाम:** विश्व स्तरीय गुड्स शेड के रूप में बोकारो गुड्स शेड का आधुनिकीकरण एवं क्रमोन्नयन के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 56,45,547.65।

(PR-158)

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–42ए–25, दिनांक 08.05.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–42ए–25 के प्रतिपक्ष ई–निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान:** हावड़ा मंडल में लार्ज स्पैन जंपरों/जी जंपरों आदि का प्रतिस्थापन। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु.1,83,06,196.88, **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 3,66,100/–, **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 12 बारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 02.06.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/ विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-61/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एमईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: वरिष्ठ डीईएन/3/ हावड़ा। **क्रम सं. 1, ई–निविदा सं.: 35_2026–27, कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल में एईएन/ आजिमगंज के अधीन नॉन–इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों (कटवा–आजिमगंज खंड में 4 अदद और आजिमगंज –नलहाटी खंड में 2 अदद) में रिले हट का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 4,07,94,390.16, **बयाना राशि:** रु.8,15,900/–, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 04 (चार) माह। **क्रम सं. 2, ई–निविदा सं.: 36_2026–27, कार्य का विवरण :** वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60 केजी/52 केजी (90 यूटीएस/72 यूटीएस, आर–260) (नई/एसएच/एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग। **अनुमानित मूल्य:** रु. 2,39,27,717.95, **बयाना राशि:** रु. 4,78,600/–, **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 08 (आठ) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 01.06.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**–बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान ई–निविदा प्रणाली के मामले में, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-59/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सत्ता परिवर्तन के बाद एसएससी और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रमुखों ने दिया इस्तीफा

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के सत्ता संभालने के बाद राज्य के शिक्षा विभाग में बड़े प्रशासनिक बदलाव शुरू हो गए हैं। मंगलवार को स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) और पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रमुखों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राज्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त निकाय पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रामानुज गंगोपाध्याय ने भी पद छोड़ दिया।

दोनों इस्तीफे ऐसे समय आए हैं, जब नई राज्य सरकार ने एक दिन पहले ही विभिन्न विभागों के अधीन बोर्ड, संगठन, गैर वैधानिक निकायों और सार्वजनिक उपक्रमों में नामित निदेशकों, सदस्यों तथा अध्यक्षों के कार्यकाल समाप्त करने का आदेश जारी किया था। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, दोनों अधिकारियों के इस्तीफे राज्य के शिक्षा सचिव कार्यालय तक पहुंच चुके हैं।

उच्च माध्यमिक के परिणाम से पहले इस्तीफा नहीं दे पार्थ कर्मकार, शिक्षा विभाग ने किया इंतजार का अनुरोध

पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष पार्थ कर्मकार फिलहाल अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। शिक्षा विभाग सूत्रों के अनुसार, उन्हें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 14 मई को उच्च माध्यमिक परीक्षा परिणाम घोषित होने तक वे अपने पद पर बने रहें। विभाग का मानना है कि परिणाम जारी होने से पहले अध्यक्ष पद में बदलाव होने पर प्रशासनिक और कानूनी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, उच्च माध्यमिक परीक्षा की मार्कशीट और प्रमाणपत्रों पर परिषद अध्यक्ष के रूप में पार्थ कर्मकार के हस्ताक्षर पहले से मौजूद हैं। ऐसे में यदि परिणाम प्रकाशित होने से पहले वे इस्तीफा दे देते हैं, तो दस्तावेजों की वैधता को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं। इसका सीधा असर लाखों परीक्षार्थियों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। शिक्षा विभाग को डर है कि अध्यक्ष बदलने की स्थिति में परिणाम प्रकाशन प्रक्रिया, प्रमाणपत्र वितरण और अन्य प्रशासनिक कार्यों में बाधा आ सकती है। इसी कारण विभाग ने पार्थ कर्मकार से फिलहाल जिम्मेदारी संभाले रखने का अनुरोध किया है। जानकारी के अनुसार, 14 मई को परिणाम घोषित होने के बाद उनके इस्तीफे को लेकर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। हालांकि अब तक इस संबंध में सरकार या शिक्षा विभाग की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। शिक्षा विभाग फिलहाल पूरी प्रक्रिया को बिना किसी विवाद और व्यवधान के संपन्न कराने पर जोर दे रहा है।

पत्नी को बाइक पर बैठाने के शक में हमला, आरोपी को 10 साल की सजा

हुगली, समाज्ञा : पत्नी को बाइक पर बैठाने के शक में एक व्यक्ति पर धारदार कटारी से जानलेवा हमला करने के मामले में चुचुड़ा अदालत ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह घटना 17 जनवरी 2018 को पोलबा थाना क्षेत्र के कामदेवपुर गांव में हुई थी। जानकारी के अनुसार, सुगंधा पंचायत के वादेवपुर निवासी अरुण दास बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक मिठाई की दुकान से सिंगाड़ा और रसगुल्ला खरीदा। इसी दौरान, कामदेवपुर निवासी निरापद दास ने उन्हें रोक लिया और अपनी पत्नी को बाइक पर बैठाने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने अचानक बैग से कटारी निकालकर अरुण दास पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों ने घायल अरुण दास को तुरंत चुचुड़ा इमामबाड़ा अस्पताल पहुंचाया। बाद में, उनका इलाज कोलकाता के एक अस्पताल में भी चला और लंबी चिकित्सा के बाद उनकी जान बचाई जा सकी। घटना के संबंध में अरुण दास की पत्नी ने पोलबा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की सुनवाई चुचुड़ा अदालत के फास्ट ट्रैक फर्स्ट कोर्ट में चल रही थी। सोमवार को न्यायाधीश पियूषकांति राय ने आरोपी निरापद दास को दोषी ठहराते हुए 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, पीड़ित परिवार ने उम्रकैद की मांग की थी, लेकिन अदालत के फैसले पर संतोष जताया है।

नेत्रहीन मरीज ने जटिल सर्जरी के बाद पैंक्रियाटिक कैंसर को दी मात

कोलकाता, समाज्ञा : 70 वर्षीय एक नेत्रहीन और 120 किलोग्राम वजनी मरीज ने पैंक्रियाटिक कैंसर के खिलाफ कठिन लड़ाई जीत ली। डायबिटिक रेटिनोपैथी के कारण दृष्टिहीन हो चुके इस मरीज में पीलिया के बाद जांच में अग्नाशय के ऊपरी हिस्से में कैंसर का पता चला। मरीज की उम्र, गंभीर डायबिटीज और अत्यधिक मोटापे के कारण सर्जरी को बेहद जोखिमभरा माना जा रहा था। डॉ. संजय मंडल और उनकी टीम ने करीब आठ घंटे लंबी जटिल व्हिपल प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। ट्यूमर बड़ा होने और मरीज के अधिक वजन के कारण ऑपरेशन के लिए विशेष तकनीक और विस्तृत योजना अपनाई गई। सर्जरी के बाद मरीज को एडवीयू में निगरानी में रखा गया और स्वास्थ्य में सुधार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

ग्लोबल नॉलेज कैंपस ने शुरू किए छह नए पाठ्यक्रम

कोलकाता, समाज्ञा : ग्लोबल नॉलेज कैंपस ने 2026 शैक्षणिक सत्र के लिए छह नए पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। ये पाठ्यक्रम ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन से मान्यता प्राप्त हैं और ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के माध्यम से संचालित होंगे, जो मौलाना अबुल कलाम आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से संबद्ध है। नए पाठ्यक्रमों में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई और एमएल) में बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में एमटेक, एमबीए तथा हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में एमबीए शामिल हैं। चेयरमैन नरेश चंद्र दास ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य छात्रों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा और बेहतर करियर अवसर उपलब्ध कराना है।

भावेन कामदार ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

कहा... 'विकसित भारत के विजन को बताया नई ऊर्जा का प्रतीक'

कोलकाता, समाज्ञा : भावेन कामदार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई मुलाकात को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित भारत का विजन देश को नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान कर रहा है। भावेन कामदार रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी समर्थक पॉवर प्रा. लि. के संस्थापक होने के साथ-साथ जीतो इनोवेशन टेक्नोलॉजी एण्ड एंटरप्रेन्योरियल मैनेजमेंट (जीतम) के चेयरमेन है। जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोलकाता प्रवास के समय एयरपोर्ट पर यह मुलाकात हुई थी। इस दौरान भावेन कामदार सहित पश्चिम बंगाल के विकास, निवेश, उद्योग और

सामाजिक सहभागिता से जुड़े कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, निवेश की संभावनाओं और सामाजिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। भावेन कामदार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश के समग्र विकास को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रखते, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों को भी राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने का निरंतर प्रयास करते हैं। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री की सोच विकास को सहभागी और समावेशी बनाने की है, जिसमें उद्योग, शिक्षा, सामाजिक सेवा, संस्कृति और उद्यमिता से जुड़े लोगों की सक्रिय भूमिका हो। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जिस प्रकार भारत के विकास की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं, वह केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है। भावेन कामदार ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी प्रवास पर जाते हैं, वहां स्थानीय उद्यमियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संवाद कर क्षेत्रीय विकास और आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा देने का प्रयास करते हैं।

जनसेवक था, सेवक ही रहूंगा : विजय ओझा

नूतन बाजार जगन्नाथ मंदिर में चंदन यात्रा सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता के श्री जगन्नाथ मंदिर, नूतन बाजार में चंदन यात्रा का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मुख्य यजमान शांता देवी-गोविंद सारडा ने पुरोहितों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना की, जिसमें उर्मिला-जयकुमार गोयल तथा सारडा परिवार के आदित्य, अमित, मेघना और आर्यवर्धन सारडा शामिल हुए। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा को चंदन लेप लगाकर अस्थायी सरोवर में नौका विहार कराया गया। कार्यक्रम में गौड़ीय मठ के ऋषिकेश महाराज, आचार्य राकेश पाण्डेय, युवाचार्य डॉ. आकाश शर्मा, राधेश्याम सुल्तानिया, सुरेंद्र अग्रवाल, हेमचंद्र अग्रवाल, महावीर बजाज, अशोक अग्रवाल, सांवरमल

अग्रवाल, बैजनाथ मित्तल, चांद रतन लखानी, अमर भरतिया, गिरिश सोती, सलोनी सोती, संदीप अग्रवाल, दीपक बंका, अनिल चौधरी, बसंत दुजारी, अमित गुप्ता, पवन गुप्ता, अमित भालोटिया, पार्षद मीना देवी पुरोहित, राजेश सिन्हा और दामोदर प्रसाद भट्टड़ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विजय ओझा ने कहा, मैं हमेशा जनता के बीच सेवक के रूप में काम करता रहूंगा। वहीं पूर्णिमा चक्रवर्ती ने मंदिर पर गर्व जताते हुए क्षेत्र की जनता के लिए सदैव उपलब्ध रहने की बात कही। कार्यक्रम संयोजक मनोज पराशर ने बताया कि चंदन यात्रा के साथ रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ माना जाता है। कार्यक्रम का संचालन महावीर प्रसाद रावत ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में स्नेह कुमार,देवेंद्र गुप्ता,आकाश सोनकर, राजीव कुमार गुप्ता, बापी प्रकाश हलदार, दिलीप सोनकर, तारक दे, संजय सोनकर, विनोद सोनकर, सचिन सोनकर, पंकज गुप्ता, सुरेश केसरी, लक्ष्मण सोनकर, सनी सिंह, मुन्ना गुप्ता एवं अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कटिहार मंडल के पांजीपाड़ा-सूर्य कमल सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू करने के लिए प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग एवं नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किए जाने के कारण 13 मई से 17 मई 2026 तक ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इस कार्य के चलते कई ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। जानकारी के अनुसार, कुछ ट्रेनों को रद्द, कुछ को पुनर्निर्धारित तथा कुछ ट्रेनों को मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा। रद्द की गई ट्रेनों में 15 मई को 55422 बालुरघाट-मालदह टाउन पैसेंजर, 16 मई को 55421 मालदह टाउन-बालुरघाट पैसेंजर, 15710 न्यू जलपाईगुड़ी-मालदह टाउन इंटरसिटी एक्सप्रेस और 15709 मालदह टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं। वहीं, 12345 हावड़ा-गुवाहाटी सरायघाट एक्सप्रेस 16 मई को अपने निर्धारित समय 16:05 बजे के बजाय 20:00 बजे रवाना होगी, जबकि 13141 सियालदह-न्यू अलीपुरद्वार तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस 15:00 बजे के स्थान पर 18:20 बजे चलेगी। 15647 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गुवाहाटी एक्सप्रेस को भी 15 मई को 08:05 बजे के बजाय 10:00 बजे रवाना किया जाएगा। इसके अलावा, 27575 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस 16 मई को 18:20 बजे के स्थान पर 21:20 बजे चलेगी, जबकि 27576 कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस 16 मई को 20:45 बजे तथा 17 मई को 19:15 बजे रवाना होगी। 15658 कामाख्या-दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल को भी 16 मई को 16:55 बजे के बजाय 19:00 बजे पुनर्निर्धारित किया गया है। रेलवे ने कुछ ट्रेनों को मार्ग में नियंत्रित करने का भी निर्णय लिया है, जिनमें 07046 सिकंदराबाद-नाहरलागुन स्पेशल को 3 घंटे, 15657 दिल्ली-कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल को 2 घंटे तथा 12503 एसएमवीटी बेंगलुरु-अगरतला हमसफर एक्सप्रेस को 1 घंटे तक मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा।

पूर्व रेलवे की व्यापक पहल : यात्रियों को मिलेगी ठंडक, सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने भीषण गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से अप्रैल महीने के दौरान व्यापक स्तर पर कई महत्व-पूर्ण सुविधाओं का विस्तार किया है। महाप्रबंधक मिलिंद देउसकर के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, यार्डों, रेलवे कॉलोनियों और यात्री परिसरों में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, वातानुकूलन और विद्युत सुविधाओं को मजबूत किया गया है। पूर्व रेलवे ने गर्मी से राहत देने के लिए कुल 78 नए वाटर कूलर स्थापित किए हैं। इनमें सियालदह मंडल में 6, मालदह मंडल में 6 और आसनसोल मंडल में 66 वाटर कूलर लगाए गए। मालदह मंडल के राजमहल स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए चार नए एयर सर्कुलेटिंग फैन लगाए गए, जबकि जंगीपुर रोड स्टेशन के एबीएसएस भवन में पांच स्प्लिट एसी यूनिट स्थापित किए गए। मुंगेर स्टेशन पर पेयजल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए नया 2 एचपी सबमर्सिबल पंप लगाया गया है। सियालदह और मालदह मंडल के 10 व्यस्त स्टेशनों पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार किया गया है। इसके अलावा, उखरा यार्ड और न्यू स्टॉक साइडिंग यार्ड में सात हाई-मास्ट टावर लगाए गए हैं। रेलवे कर्मचारियों और आव-ासीय परिसरों के लिए भी कई सुविधाएं विकसित की गई हैं। सियालदह, आसनसोल, हावड़ा, मालदह, जमालपुर, लिलुआ और कांचरापाड़ा क्षेत्रों में कुल 2,461 ऊर्जा-संरक्षण करने वाले बीएलडीसी सीलिंग फैन वितरित किए गए हैं। मालदह मंडल में 24 दो-टन क्षमता वाले स्प्लिट एसी तथा सियालदह में नौ स्टार-रेटेड एसी लगाए गए हैं। ललिता घोष (85), जो नियमित चिकित्सा जांच के लिए यात्रा करती हैं, ने कहा कि पहले गर्मी के कारण यात्रा करना बेहद कठिन लगता था, लेकिन अब रेलवे स्टेशनों पर बेहतर हवा, ठंडा पानी और बैठने की सुविधाओं ने यात्रा को आरामदायक बना दिया है। इस अवसर पर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि रेलवे का उद्देश्य केवल ट्रेनों का संचालन करना नहीं, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित, सुविध-ाजनक और मानवीय यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

सियालदह-लालगोला सेक्शन में 9 मेमू यात्री सेवाओं में शौचालय सुविधा का संचालन शुरू करने की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह डिवीजन ने यात्रियों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 14 मई से सियालदह-लालगोला सेक्शन में चलने वाली 09 निर्धारित यात्री सेवाओं को शौचालय सुविधा युक्त मेमू रेक्स के माध्यम से संचालित किया जाएगा। यह कदम विशेष रूप से दैनिक यात्रियों तथा लंबी दूरी तय करने वाले उपनगरीय एवं गैर-उपनगरीय यात्रियों को अधिक आराम और सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नई व्यवस्था के तहत चलने वाली मेमू रेक्स में बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे यात्रा के दौरान स्वच्छता और सुविधा दोनों में सुधार होगा। इस परिवर्तन से सियालदह-लालगोला और राणाघाट सेक्शन में यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। इन सेवाओं में 63105, 63177 और 63107 सियालदह-लालगोला मेमू यात्री सेवाएं, 63104, 63108 और 63106 लालगोला-सियालदह मेमू यात्री सेवाएं, 63134 लालगोला-रानाघाट मेमू यात्री सेवा, 63133 रानाघाट-लालगोला मेमू यात्री सेवा तथा 63111 सियालदह-रानाघाट मेमू यात्री सेवा शामिल हैं।

मातृत्व की हर यात्रा में साथ देगा इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस

कोलकाता, समाज्ञा : इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ने मदर्स डे पर अपना नया अभियान +1 इन योर मदरहुड जर्नी लॉन्च किया। इस अभियान के जरिए कंपनी ने मातृत्व की शुरुआत को केवल बच्चे के जन्म तक सीमित न मानते हुए, मां बनने की इच्छा से जुड़ी भावनात्मक, मानसिक और चिकित्सीय यात्रा को प्रमुखता दी है। अभियान की मुख्य फिल्म फर्टिलिटी ट्रीटमेंट और आईवीएफ जैसी प्रक्रियाओं से गुजर रही महिलाओं के संघर्ष, उम्मीद और धैर्य को दर्शाती है। अभियान का क्रिएटिव निष्पादन सोचीर्स ने किया है। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस आईवीएफ, आईयूआई, एम्ब्रियो ट्रांसफर, मैटरनिटी, प्री और पोस्ट-नेटल केयर सहित नवजात शिशु के मेडिकल कवरेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। कंपनी के प्रेसिडेंट तरुण खन्ना ने कहा कि अभियान का उद्देश्य मातृत्व की हर अनदेखी यात्रा को सम्मान देना है।

वीवो एक्स300 एफई भारत में लॉन्च, कॉम्पैक्ट डिजाइन में फ्लैगशिप फीचर्स

कोलकाता, समाज्ञा : वीवो इंडिया ने अपने कॉम्पैक्ट फ्लैगशिप पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नया वीवो एक्स300 एफई लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन 16.04 सेमी (6.31 इंच) फ्लैट डिस्प्ले के साथ आता है, जिसे इस स्क्रीन श्रेणी में 5000 निट्स ब्राइटनेस वाला भारत का सबसे ब्राइट डिस्प्ले बताया गया है। फोन में स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 प्रोसेसर, 6500एमएएच बैटरी, 90डबल्यू वायर्ड फ्लैशचार्ज और 40डबल्यू वायरलेस फ्लैशचार्ज सपोर्ट दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए इसमें उन्नत जेडईआईएसएस इमेजिंग तकनीक शामिल की गई है। स्मार्टफोन में 50एमपी जेडईआईएसएस मेन कैमरा, 50एमपी जेडईआईएसएस सुपर टेलीफोटो कैमरा, 100एक्स डिजिटल जूम, जेडईआईएसएस मल्टीफोकल पोर्ट्रेट और एआई क्रिएटिव सुइट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके साथ वीवो जेडईआईएसएस टेलीफोटो एक्सटेंडर जेन 2 भी उपलब्ध है, जो 200ाा तक की फोकल लेंथ सपोर्ट करता है। विकास टागरा ने कहा कि एक्स300 एफई आधुनिक उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें प्रीमियम डिजाइन, फ्लैगशिप परफॉर्मेंस और उन्नत कैमरा तकनीक का बेहतरीन संयोजन मिलता है।

दुनिया भर में 'परा-विद्यापीठ' स्कूल खोलने की तैयारी में गौड़ीय मिशन

कोलकाता, समाज्ञा : युद्ध, हिंसा और अशांति से जूझ रही दुनिया में मानवीय मूल्यों और नैतिक शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से गौड़ीय मिशन ने विश्वभर में 'परा-विद्यापीठ' विद्यालय स्थापित करने की पहल की है। गौड़ीय मिशन द्वारा कोलकाता के बागबाज़ार, नवद्वीप सहित देश के विभिन्न गौड़ीय मठों में पहले से ही 'परा-विद्यापीठ' विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन संस्थानों में पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता, आध्यात्मिक चेतना, आदर्श चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों पर विशेष बल दिया जाता है। अब इस परियोजना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने की योजना बनाई गई है। मिशन की ओर से लंदन, अमेरिका, जर्मनी और ऑस्ट्रिया सहित विभिन्न देशों में स्थित गौड़ीय मिशन के शाखा केंद्रों में 'परा-विद्यापीठ' स्कूल शुरू किए जाएंगे। गौड़ीय मिशन के आचार्य एवं अध्यक्ष भक्ति सुंदर संन्यासी गोस्वामी महाराज 14 मई को कोलकाता से चार देशों की यात्रा पर रवाना होंगे।

कृष्णानगर-आमघाटा सेक्शन में दो जोड़ी नई ट्रेनें शुरू, यात्रियों को मिलेगा बेहतर रेल संपर्क

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए कृष्णानगर- आमघाटा रेल खंड पर 13 मई 2026 से दो जोड़ी नई ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है। कुछ महीने पहले शुरू हुए इस सिंगल लाइन सेक्शन पर अब तक तीन जोड़ी ट्रेनें चल रही थीं, लेकिन मायापुर जाने वाले यात्रियों और दैनिक यात्रियों की सुविधा के लिए सेवाओं का विस्तार किया गया है। नई समय-सारणी के अनुसार, सुबह की सेवा में ट्रेन संख्या 31887 कृष्णानगर से सुबह 5:20 बजे रवाना होगी, जबकि वापसी ट्रेन 31888 अमघाटा से सुबह 5:43 बजे चलेगी। वहीं रात्रिकालीन सेवा में ट्रेन संख्या 31889 कृष्णानगर से रात 10:15 बजे और ट्रेन 31890 अमघाटा से रात 10:40 बजे प्रस्थान करेगी। इन नई सेवाओं के शुरू होने के बाद इस रेलखंड पर कुल पांच जोड़ी ट्रेनों का संचालन होगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविध-ाजनक, भरोसेमंद और बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होगा।

आज न्यू सील लेन स्थित शिव मंदिर का देव पूजन और प्राण प्रतिष्ठा

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा मैदान में 1, नंबर न्यू सील लेन स्थित 40 वर्ष पुरानी शिव मंदिर का जीर्णोद्धार कर एक भव्य मंदिर का निर्माण सम्पन्न हुआ है। सफेद मार्बल से निर्मित मंदिर का भव्य रूप राहगीरों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। शिव मंदिर का यह विराट जीर्णोद्वार कार्यक्रम 13 मई से लेकर 16 मई तक चलेगा। देव पूजन और प्राण प्रतिष्ठा 14 मई को सम्पन्न होगा। रुद्राभिषेक और प्रसाद वितरण 16 मई, शनिवार को होना है। इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर इलाके के लोगों के बीच का उत्साह और हर्षोल्लास देखते ही बन रहा है। इस कार्यक्रम के लिए समाज के सभी गणमान्य लोगों को निमंत्रण भेजा जा चुका है।

पूर्व रेलवे ने लिलुआ अस्पताल में ऐतिहासिक नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने अपने लिलुआ स्थित रेलवे अस्पताल में एक महत्वपूर्ण नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम (एनआरपी)का सफल आयोजन किया। यह पहल महाप्रबंधक मिलिंद देउसकर के दूरदर्शी नेतृत्व तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. नटराज बी. के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। यह प्रशिक्षण 10 मई 2026 को राष्ट्रीय एनआरपी दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क के विभिन्न अस्पतालों से आए नर्सिंग स्टाफ को नवजात शिशुओं के जीवन रक्षक उपचारों में व्यावहारिक और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करना था। प्रतिभागियों में जमालपुर, मालदह, आसनसोल, अंडाल, कांचरापाड़ा, हावड़ा, लिलुआ और बारासात जैसे प्रमुख केंद्रों के नर्सिंग कर्मी शामिल थे। कुल 21 नर्सिंग स्टाफ सदस्यों, जिनमें वरिष्ठ और कनिष्ठ दोनों श्रेणियों के कर्मचारी शामिल थे, तथा एक विशेष तकनीशियन को दो बैचों

में प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण डॉ. शिल्पी सिद्धांत द्वारा संचालित किया गया।

यह कार्यक्रम नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के नेतृत्व में चलाए जा रहे एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। इस अभियान में पूरे भारत से 23,000 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने एक साथ भाग लिया, जिससे यह देश के सबसे बड़े समन्वित चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक बन गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवजात मृत्यु दर को कम करना और गोल्डन मिनट के दौरान त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा हस्तक्षेप सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि यह प्रशिक्षण अभियान रेलवे की चिकित्सा सेवाओं में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नवजात शिशुओं की जीवित रहने की दर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैरकपुर में संत गाडगे सेवा अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : सामाजिक सेवा, जनकल्याण और मानवता के क्षेत्र में उल्लेखनीय यो-गदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने हेतु 'संत गाडगे अवॉर्ड 2026' बैरकपुर सुकांता सदन में आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम संत गाडगे महाराज की प्रेरणादायी स्मृति को समर्पित है। समारोह का उद्देश्य समाज में निस्वार्थ सेवा, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता, करुणा और जनसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन रेलवे एससी एसटी एम्पलाई संगठन के जोनल सचिव डॉ समीर कुमार दास, काकीनाडा केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल मनीष राय, केंद्रीय सचिवालय हिंदी के संयोजक रंजीत प्रसाद, संस्था के सचिव अमित रजक, लक्ष्मण रजक ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर 40 लोगों को सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में समझ में बेहतर काम किया। इनके साथ-साथ छात्र विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा, हीरा रजक, सूरज पासवान, मांपी रजक, गणेश दास, संजय यादव और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सविता पोद्दार ने किया।

कलकत्ता बॉयज स्कूल में चार दिवसीय 'लिंगुआ फिएस्टा-2026' का भव्य आयोजन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता बॉयज स्कूल में चार दिवसीय त्रिभाषीय भाषा उत्सव 'लिंगुआ फिएस्टा-2026' का आयोजन किया गया। यह आयोजन 6 से 9 मई 2026 तक चला। इस अवसर पर हिंदी, अंग्रेज़ी एवं बांग्ला भाषाओं में कविता-पाठ, वाद-विवाद, भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। जिनमें विद्यालय के चारों सदनों - थोबर्न, वार्न, हेंडरसन एवं लेडलॉ हाउस के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंग्रेजी भाषा के निर्णायकों में दिया बनर्जी, राहुल नंदी एवं शिरीन पुरी लामा उपस्थित रहे। हिंदी भाषा के लिए कविता कोठारी, मनीषा पांडेय एवं जगतानंद पांडेय ने निर्णायक की भूमिका निभाई। बांग्ला भाषा के लिए तापस चौधरी, प्रोजुक्ति

बंद्योपाध्याय, संगीता घोरा एवं सुपर्णा मुखर्जी उपस्थित रहीं। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन प्रसिद्ध क्विज मास्टर नाइजेल विन्सेंट ने किया। वहीं, 9 मई को रवींद्र जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर रवींद्र जयंती कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में स्रवोन्ती बसु बंद्योपाध्याय एवं तापस चौधरी उप-स्थित थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सचिव राजा मैगी ने विद्यार्थियों को कविगुरु के जीवन एवं साहित्य से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में लेडलॉ हाउस प्रथम, वार्न हाउस द्वितीय, थोबर्न हाउस तृतीय तथा हेंडरसन हाउस चतुर्थ स्थान पर रहा। विद्यालय के सभी विभागों एवं शिक्षकों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सीडबल्यूबीटीए ने सिलीगुड़ी में दार्जिलिंग जिले के व्यापारियों की 'बिगिनर्स मीट' आयोजित की

सिलीगुड़ी : कन्फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन्स (सीडबल्यूबीटीए) द्वारा दार्जिलिंग जिले के व्यापारियों की 'बिगिनर्स मीट' का आयोजन सोमवार को सिलीगुड़ी के मल्लागुड़ी स्थित सिलीगुड़ी टी ऑक्शन कमिटी हॉल में किया गया। बैठक की अध्यक्षता सीडब्ल्यूबीटीए की जिला समन्वयक रागिनी गोयल ने की। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न व्यापारिक संगठनों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अरुण पेरीवाल, एम.के. मैत्रा, संजय गोयल, विजय अग्रवाल, सुभाष तथा पवन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के दौरान व्यापारिक प्रतिनिधियों ने दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी क्षेत्र के व्यापार एवं उद्योग जगत के समक्ष मौजूद विभिन्न पुरानी समस्याओं और चुनौतियों को उठाया, जिनका असर क्षेत्र के विकास पर पड़ रहा है। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि राज्य और केंद्र में समान विचारधारा वाली सरकार होने के कारण 'डबल इंजन सरकार' के तहत इस क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सकती है। व्यापारिक नेताओं ने यह भी मांग रखी कि मुख्यमंत्री और उनकी टीम सिलीगुड़ी तथा दार्जिलिंग का दौरा कर इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र के विकास की व्यापक समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र तीन पड़ोसी देशों से घिरा हुआ है और कई भारतीय राज्यों से सीधा संपर्क रखता है, इसलिए यहां व्यापारिक और आर्थिक संभावनाएं काफी व्यापक हैं। चर्चा के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि उत्तर बंगाल में चाय, पर्यटन, व्यापार और लकड़ी उद्योग प्रमुख आर्थिक क्षेत्र हैं, जिन्हें नीतिगत स्तर पर विशेष प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता है। हालांकि, नीरज पोद्दार व्यक्तिगत रूप से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने लिखित संदेश भेजकर नॉर्थ बंगाल टी प्रोड्यूसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों की समस्याओं और चुनौतियों को सामने रखा। सीडब्ल्यूबीटीए ने जुलाई 2026 तक उत्तर बंगाल ट्रेड एक्सपो आयोजित करने की योजना की भी घोषणा की। संगठन के अध्यक्ष सुशील पोद्दार के नेतृत्व में प्रस्तावित इस एक्सपो का उद्देश्य राज्य स्तर पर व्यापारियों और उद्यमों को एक मजबूत मंच प्रदान करना है। बैठक के अंत में सीडब्ल्यूबीटीए ने सिलीगुड़ी और कालिम्पोंग में अपने संगठनात्मक विस्तार और व्यापारियों के साथ मजबूत संपर्क बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

शिवपुर में तृणमूल नेता के आलीशान जैसे घर का खुलासा, पुलिस छापेमारी में मिलीं सुरंगें और लग्जरी सुविधाएं

हावड़ा, समाज़ा : हावड़ा के शिवपुर इलाके में फरार तृणमूल कांग्रेस नेता मोहम्मद शमीम उर्फ 'बोरे' के घर पर पुलिस छापेमारी के दौरान चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस जब हिंसा और बमबाजी मामले में आरोपी शमीम की तलाश में उसके आवास पर पहुंची, तो वहां कथित तौर पर एक आलीशान जैसी संरचना देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। छापेमारी के दौरान पुलिस को घर के अंदर कई गुप्त सुरंगों और भूमिगत रास्तों का पता चला। बताया जा रहा है कि इन सुरंगों के जरिए सीढ़ियों से नीचे बने विशेष कमरों और फ्लोर

तक पहुंचा जा सकता था। भूमिगत हिस्सों को अत्याधुनिक सुविधाओं और महंगे इंटीरियर से सजाया गया था। जानकारी के अनुसार, घर में महंगे लकड़ी के फर्नीचर, एयर कंडीशनर, फ्रिज और अन्य लग्जरी सुविधाएं मौजूद थीं। एक स्थानीय राजनीतिक नेता के घर में इस तरह की भव्य व्यवस्था सामने आने के बाद इलाके में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, सामीमा

बानो, जो हावड़ा नगर निगम के 36 नंबर वार्ड की पूर्व पार्षद रह चुकी हैं, उनके पति मोहम्मद शमीम पहले तृणमूल कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष पद पर भी रह चुके हैं। मामला हाल ही में शिवपुर में हुई हिंसक घटना से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पिछले गुरुवार दोपहर भाजपा जिला अल्पसंख्यक मोर्चा संयोजक के घर पर हमला, गोलीबारी और बमबाजी की गई थी। इस मामले में शमीम का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने बमबाजी के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन मुख्य आरोपी शमीम अब भी फरार है। घटना के बाद इलाके में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और स्थानीय स्तर पर मामले को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

कोलकाता में माओवादी नेता माधई पात्रा का आत्मसमर्पण

खराब सेहत का दिया हवाला, कहा... 'मुख्यधारा में लौटें बाकी साथी'

कोलकाता, समाज़ा : राज्य में माओवादी नेटवर्क को एक और बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को वरिष्ठ माओवादी नेता माधई पात्रा ने समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लेते हुए पुलिस प्रशासन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हुगली जिले के जंगीपाड़ा के रहने वाले माधई बिहार, ओडिशा, झारखंड और बंगाल के माओवादी संगठनों के साथ लंबे समय से जुड़े हुए थे। आत्मसमर्पण के बाद, मीडिया से बात करते हुए माधई ने बताया कि उनकी शारीरिक स्थिति काफी समय से ठीक नहीं चल रही थी। इसी अस्वस्थता के कारण उन्होंने हथियार छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी स्थिति के बारे में संगठन के इंचार्ज मिहिर बेसरा से बात की थी। उनकी अनुमति मिलने के बाद ही मैंने पुलिस से संपर्क किया। माधई का कहना है कि वे गृह मंत्री के संदेश से पहले ही मुख्यधारा में लौटने का मन बना चुके थे। उन्होंने बताया कि इंचार्ज ने उन्हें निर्देश दिया था कि 31 मार्च के बाद जो भी चाहे, वह आत्मसमर्पण कर सकता है। माधई ने अपने अन्य 'कॉमरेडों' और सह-योद्धाओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि मैं जंगल में रह रहे अपने साथियों से अनुरोध करता हूं कि वे भी वापस आएं और सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाकर एक सामान्य जीवन बिताएं। वे अब एक साधारण काम करके अपना जीवन व्यतीत करना चाहते हैं।

कोलकाता से 15 लाख की इनामी हार्डकोर महिला माओवादी गिरफ्तार

कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक महिला माओवादी को गिरफ्तार किया है। उत्तर काशीपुर थाना इलाके से गिरफ्तार की गई इस महिला माओवादी की पहचान श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला के रूप में हुई है। श्रद्धा नदिया जिले के चाकदह की निवासी है। उसके खिलाफ पड़ोसी राज्य झारखंड में 23 मामले दर्ज हैं। झारखंड सरकार ने उसकी गिरफ्तारी पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, श्रद्धा विश्वास लंबे समय से माओवादी गतिविधियों से जुड़ी हुई थी और झारखंड तथा पश्चिम बंगाल के बीच समन्वयक की भूमिका निभा रही थी। बताया जा रहा है कि वह संगठन के लिए संपर्क, समन्वय और विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने का काम करती थी। इसी बीच, वह पश्चिम बंगाल आई और पिछले कुछ समय से भांगड़ इलाके में रह रही थी। कोलकाता पुलिस को गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली थी कि महिला माओवादी उत्तर काशीपुर थाना क्षेत्र में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके में अभियान चलाया और मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धा विश्वास की गिरफ्तारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। जांच एजेंसियां अब उसके नेटवर्क, संपर्कों और हाल के दिनों में उसकी गतिविधियों की विस्तृत जांच कर रही हैं। साथ ही, यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि राज्य में उसके संपर्क किन लोगों से थे और वह किन इलाकों में सक्रिय थी।

आरजी कर कांड : जस्टिस राजशेखर मांथा की बेंच सुनवाई से हटी

कोलकाता, समाज़ा : आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक नया मोड़ आया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस राजशेखर मांथा की खंडपीठ ने खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया है। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि अदालत में मामलों की अधिकता है और ऐसी संभावना है कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मामले के लिए एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग का गठन कर सकती है। बता दें कि इससे पहले जस्टिस देबांग्शु बसाक की बेंच ने भी समय की कमी का हवाला देते हुए इस केस से पल्ला झाड़ लिया था। मंगलवार को सीबीआई ने कोर्ट में अपनी 'स्टेटस रिपोर्ट' पेश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया। जस्टिस मांथा ने पिछली सुनवाई में सीबीआई को छूट दी थी कि वह मुख्य दोषी संजय राय के अलावा अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ कर सकती है।

तृणमूल विधायक मदन मित्रा अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

कोलकाता, समाज़ा : तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उत्तर 24 परगना जिले की कमरहट्टी सीट से निर्वाचित मित्रा को सोमवार को मूत्र संबंधी समस्याओं के कारण 'बेले व्यू क्लिनिक' में भर्ती कराया गया। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें मूत्र संबंधी समस्याओं के साथ लाया गया था और फिलहाल वह चिकित्सा निगरानी में हैं। उनकी हालत स्थिर है और उन पर इलाज का अच्छा असर हो रहा है। अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा कि यदि उनकी स्थिति में इसी तरह सुधार जारी रहा, तो उन्हें एक या दो दिन में छुट्टी दी जा सकती है। मित्रा के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि चुनाव के दौरान और उसके बाद वह अत्यधिक शारीरिक और मानसिक तनाव में थे। सहयोगी ने कहा कि चिकित्सकों ने फिलहाल उन्हें पूर्ण आराम की सलाह दी है। उनकी हालत स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

वीवो एक्स300 अल्ट्रा भारत में पहली बार लॉन्च

कोलकाता, समाज़ा : वीवो इंडिया ने अपना वीवो एक्स300 अल्ट्रा के लॉन्च की घोषणा की, जो एक्स-सीरीज की सर्वश्रेष्ठ इमेजिंग प्रणाली का भारत में पहला लॉन्च है। वीवो एक्स300 अल्ट्रा एक्लिप्स ब्लैक और विक्ट्री ग्रीन रंगों में 16त्रह+512त्रह वेरिएंट के साथ 1,59,999 रुपए में उपलब्ध है। इस अवसर पर बात करते हुए वीवो इंडिया के एक्ससीरीज के प्रोडक्ट मैनेजमेंट हेड विकास तागरा ने कहा, वीवो इंडिया में हम एडवांस्ड इमेजिंग, रिफाइंड डिजाइन और बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ ग्राहकों को वास्तव में एक प्रीमियम अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

समिक भट्टाचार्य ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए लैंड पॉलिसी में बदलाव के दिए संकेत

कोलकाता, समाज़ा : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने सुझाव दिया है कि राज्य में नई सरकार निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए लैंड पॉलिसी में बदलाव कर सकती है। समिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को बंगाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में व्यापारियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासनकाल में एक भी नया निवेश नहीं हुआ है। इसके विपरीत, राज्य के उद्योगपतियों और व्यापारियों ने अपना निवेश अन्य राज्यों में करना पसंद किया। पिछली राज्य सरकार ने बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए उद्योगपतियों को बिल्कुल सहयोग नहीं दिया, लेकिन नई राज्य सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए हर

संभव प्रयास करेगी। निवेश को सुगम बनाने के लिए अब राज्य की लैंड पॉलिसी में बदलाव की तत्काल आवश्यकता है। भाजपा अध्यक्ष ने चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक में बोलते हुए यह भी कहा कि तृणमूल कांग्रेस के पिछले शासनकाल के दौरान राज्य में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति उद्योगपतियों के लिए राज्य में निवेश करने के लिए एक और बाधक कारक थी। भट्टाचार्य ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि नई सरकार के आने से स्थिति में सुधार होगा। यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं नई राज्य सरकार में पदाधिकारी नहीं हूं, इसलिए मैं ये बातें राज्य सरकार की ओर से नहीं कह रहा हूं। फिर भी, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि नई राज्य सरकार निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। पहले भय का माहौल था, जिसके कारण उद्योगपति राज्य में निवेश करने से हिचकिचाते थे, लेकिन अब वह भय का माहौल समाप्त हो गया है, इसलिए मुझे विश्वास है कि अब उद्योगपति बिना किसी डर के पश्चिम बंगाल में निवेश करेंगे।

'हिम्मत न हारें, मजबूत बने रहें', चुनाव में हार के बाद ममता का कार्यकर्ताओं को संदेश

चुनावी हार के बाद ममता ने गुरुवार को कालीघाट में बुलाई अहम बैठक

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी नेताओं और विधायकों की अहम बैठक बुलाई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो कार्यकर्ताओं को आगामी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार रहने का संदेश दे सकती हैं। संगठन के पुनर्गठन, जनता से संपर्क बढ़ाने और विपक्ष की भूमिका को अधिक आक्रामक बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, 14 मई को होने वाली इस बैठक में चुनाव में मिली बड़ी हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि ममता बनर्जी इस बैठक के जरिए संगठन को फिर से मजबूत करने और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश करेंगी। बताया जा रहा है कि बैठक में भाजपा के नेतृत्व वाली नई राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति और भविष्य की राजनीतिक रूपरेखा पर भी चर्चा होगी।

कोलकाता, समाज़ा : तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मंगलवार को अपनी पार्टी की हालिया चुनावी हार पर चिंतनशील, लेकिन जुझारू साहित्यिक प्रतिक्रिया देते हुए 'बहादुर' शीर्षक वाली एक कविता साझा की, जिसमें कार्यकर्ताओं से विपरीत परिस्थितियों में साहस, गरिमा और आंतरिक शक्ति बनाए रखने का आह्वान किया गया है। ममता ने कविता की शुरुआत 'हिम्मत न हारें, मजबूत बने रहें' पंक्ति से की। उन्होंने लिखा कि अगर आप हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं, तो कोई आपको छू नहीं सकता। 'मुस्कान के साथ क्रूर लोगों का सामना करने' का संदेश देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी मुस्कान ही आपकी मानसिक ताकत है। कविता में बार-बार दृढ़ता, अकेलेपन और नैतिक विश्वास जैसे विषयों का जिक्र किया गया है। ममता ने लिखा कि जब तुम पैदा हुए थे, तब अकेले आए थे और जब तुम्हारी मृत्यु होगी, तब भी अकेले ही जाना होगा। तुम्हारे अच्छे कर्म हमेशा याद किए जाएंगे। कविता की अंतिम पंक्ति में तृणमूल सुप्रीमो ने लिखा है कि हिम्मत न हारें। आखिरकार आपको लाभ मिलेगा, यह विश्वास रखें।

महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभालते ही सक्रिय हुईं मंत्री अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता, समाज़ा : नगर विकास एवं नगर निकाय मामलों के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी मिलने के बाद मंत्री अग्निमित्रा पाल ने मंगलवार की सुबह अपने विभागीय कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला। विभाग का दायित्व ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ पहली औपचारिक बैठक भी की और विभिन्न योजनाओं तथा प्राथमिकताओं को लेकर चर्चा की। मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि उन्हें राज्य सरकार में बेहद महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी दी गई है और वह पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन पर जो विश्वास जताया गया है, उसे वह जनता के हित में काम करके साबित

करने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि नगर विकास, नगर निकाय प्रशासन, महिला एवं बाल कल्याण जैसे विभाग सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन से जुड़े हुए हैं। राज्य में शहरी विकास को गति देने, नगर सेवाओं को बेहतर बनाने तथा महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राज्य के विभिन्न नगर निकायों की मौजूदा स्थिति, विकास परियोजनाओं की प्रगति, साफ-सफाई, पेयजल, सड़क और शहरी बुनियादी ढांचे को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही महिला सुरक्षा, पोषण, बाल कल्याण और सामाजिक विकास से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

➨ हावड़ा नगर निगम चुनाव को लेकर सक्रिय हुई नई सरकार, मुख्यमंत्री और मंत्री अग्निमित्रा के बीच चर्चा

हावड़ा नगर निगम चुनाव को लेकर लंबे समय से जारी गतिरोध समाप्त करने की दिशा में राज्य सरकार ने पहल शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्य की नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल के बीच हावड़ा नगर निगम चुनाव जल्द कराने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई है। नई सरकार में नगर विकास विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद अग्निमित्रा पाल ने कहा कि हावड़ा नगर निगम चुनाव नहीं होना किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने बताया कि पदभार ग्रहण करने के पहले ही दिन मुख्यमंत्री के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हुई। सरकार चाहती है कि हावड़ा के लोगों को बेहतर नगर सेवाएं मिलें और इसके लिए चुनाव प्रक्रिया को जल्द आगे बढ़ाया जाएगा।

चुनाव बाद हिंसा पर तृणमूल कांग्रेस पहुंची हाई कोर्ट, तत्काल सुनवाई की मांग

कोलकाता, समाज़ा : विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद राज्य में राजनीतिक हिंसा के आरोपों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चुनाव परिणाम आने के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। इस मामले में तृणमूल की ओर से कलकत्ता हाई कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच के समक्ष अधिवक्ता शीर्षण्य बंद्योपाध्याय ने मामले का उल्लेख करते हुए शीघ्र सुनवाई की मांग की। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित सुनवाई की अनुमति दे दी है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में

दावा किया गया कि 4 मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से राज्यभर में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। अदालत में पेश आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह दिनों में लगभग 2000 तृणमूल कार्यकर्ता कथित रूप से हिंसा और उत्पीड़न का शिकार हुए हैं। इसके अलावा, राज्यभर में पार्टी के कम से कम 365 कार्यालयों पर हमला किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। याचिका में यह भी कहा गया है कि कई इलाकों में तृणमूल समर्थकों को जान का भय दिखाया गया, जिसके कारण अनेक कार्यकर्ता अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अधिवक्ता शीर्षण्य बंद्योपाध्याय ने अदालत से मांग की कि घटनाओं में तत्काल हस्तक्षेप किया जाए और जरूरत पड़ने पर किसी निष्पक्ष जांच एजेंसी से पूरे मामले की जांच कराई जाए। अदालत सूत्रों के अनुसार, मामले की औपचारिक फाइलिंग पूरी हो चुकी है और यदि सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी होती हैं, तो आगामी गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच में इस मामले पर विस्तृत सुनवाई हो सकती है। राज्य में चुनाव बाद हिंसा को लेकर पहले से ही राजनीतिक माहौल गर्म है और इस नई याचिका ने विवाद को और तेज कर दिया है।

तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश नेता भ्रष्ट है : दिलीप घोष

कोलकाता, समाज़ा : राज्य के पंचायत एवं कृषि विपणन मंत्री दिलीप घोष ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तृणमूल के अधिकतर नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। मंगलवार की सुबह पत्रकारों से बातचीत में दिलीप घोष ने कहा कि तृणमूल के अधिकांश नेता भ्रष्ट हैं। अब तक पुलिस और सरकार की अनुमति न मिलने के कारण कई मामलों की जांच नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब सभी मामलों की जांच फिर से शुरू की जाएगी। जो जनता चाहती है, वही होगा। वहीं, एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की हालिया सुनवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, ट्रिब्यूनल ने उन्हें एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार दिया है। गलती

कहीं भी हो सकती है, लेकिन यह सामान्य गलती नहीं है, बल्कि तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा जानबूझकर किया गया है।

➨ 'पूर्व तृणमूल नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार मामलों की फिर होगी जांच'

मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सभी मामलों को दोबारा खोला जाएगा और उनकी व्यापक जांच कराई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश नेता भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल रहे हैं। दिलीप घोष ने कहा कि अब तक पुलिस और सरकार की अनुमति नहीं मिलने के कारण जांच आगे नहीं बढ़ रही थी, लेकिन अब सभी मामले फिर से शुरू किए जाएंगे। हर मामले की जांच होगी और जनता जो चाहती है, वही होगा।

चुनाव के दौरान ईवीएम को लेकर गलत सूचना फैलाने के आरोप में गर्ग चटर्जी गिरफ्तार, आरोपी के पास से 24 राउंड कारतूस बरामद

कोलकाता, समाज़ा : कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को 'बांग्ला पोक्खो' के नेता गर्ग चटर्जी को हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बारे में गलत सूचना फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उनके पास से 24 राउंड कारतूस बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि चटर्जी के खिलाफ मुख्य आरोप मतदान के दिन उनके द्वारा सोशल मीडिया पर की गई उन पोस्ट से संबंधित है जिनमें उन्होंने ईवीएम की कार्यप्रणाली और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने लालबाजार में पत्रकारों को बताया कि उनके खिलाफ शिकायत कोलकाता उत्तर के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) ने दर्ज कराई थी जिसके बाद साइबर प्रकोष्ठ ने कार्रवाई शुरू की। उन्हें इस मामले में दो बार तलब किया गया था लेकिन वह पेश नहीं हुए और इसी वजह से उन्हें मंगलवार को देशप्रिय पार्क इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद कारतूस उनके पास कैसे पहुंचे और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। मामले में विभिन्न धाराओं के तहत जांच जारी है और गर्ग चटर्जीसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, गर्ग चटर्जी को बुधवार को अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

आज रेड क्रास जैसे संस्था की सबसे ज्यादा जरूरत : पटनायक

➨ कोलकाता में मनाया गया विश्व रेड क्रास सोसाइटी का 163वां स्थापना दिवस

कोलकाता, समाज़ा : रेड क्रास सोसाइटी जैसे संस्था की आज पृथ्वी पर जितनी जरूरत है इससे ज्यादा इतिहास में कभी नहीं थी। यह कहना है इंडियन रेड क्रास सोसाइटी की पश्चिम बंगाल राज्य शाखा, कोलकाता के अध्यक्ष अध्यक्ष डा एसके पटनायक (सेवानिवृत्त आइएएस) का। आठ मई को विश्व रेड क्रास दिवस- 2026 के अवसर पर संस्थान के कोलकाता स्थित राज्य मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में दो बड़े महायुद्ध चल रहे हैं। हर देश को बीच-बीच में विपत्ति का सामना करना होता है। आज के समय में प्राकृतिक आपदाएं भी अक्सर आती रहती हैं।

साथ ही मानव निर्मित आपदाएं भी। ऐसे में इतनी सारी विपत्तियों का सामना करने के लिए रेड क्रास सोसाइटी जैसे संस्था की सख्त आवश्यकता है और इसको और सुदृढ़ करने की जरूरत है। रेड क्रास आंदोलन के 163वें स्थापना दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने रेड क्रास के साथ और अधिक संख्या में वालंटियरों को जोडऩे पर जोर दिया। पटनायक ने संस्था की राज्य शाखा से आज के बदलते डिजिटल युग में एक वेबसाइट लांच करने का सुझाव भी दिया और कहा कि इसमें जिलावार वालिंटियरों का नाम होना चाहिए, ताकि विपत्ति या जरूरत के समय में लोग उनसे संपर्क कर सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी- बामर लार एंड कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अधीप नाथ पालचौधरी उपस्थित रहे। उन्होंने रेड क्रास के सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए जमकर प्रशंसा की।

कार्यक्रम में संस्था के राज्य महासचिव संदीप सिंह राजपूत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एस बंद्योपाध्याय, संकल्प सृष्टि एनजीओ के अध्यक्ष अविनाश गुप्ता, एनसीसी अधिकारी कैप्टन बीभा समादार, संस्था के आफिस सुपरिटेंडेंट कामरूल आलम, गीता थापा सहित अन्य सदस्यों व अतिथियों ने सहभागिता की। महासचिव संदीप राजपूत ने समाजसेवा, मानवता और राहत कार्यों में रेड क्रास की भूमिका पर प्रकाश डाला। समारोह में जरूरतमंदों की सहायता, आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवाओं तथा मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए रेड क्रास के निरंतर प्रयासों को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने रेड क्रास मूवमेंट के संस्थापक हेनरी दुनांत की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विश्व रेड क्रास दिवस हर वर्ष आठ मई को इसके संस्थापक हेनरी दुनांत की जयंती पर मनाया जाता है, जिसकी स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी।

इस वर्ष कार्यक्रम की थीम मानवता में एकजुट - मानवता के लिए साथ-साथ रखी गई, जिसका उद्देश्य मानवता, सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करना था।

जोड़ासांको के नवनिर्वाचित विधायक विजय ओझा को सम्मानित करते हरियाणा युवा संगठन के अध्यक्ष सुरेश शर्मा, दुली चन्द, सुनील पण्डित, विजय शर्मा, बहादुर सिंह पंवार सहित अन्य

गोरखपुर में खड़ी हुई कार से टक्कर के कारण मोटरसाइकिल सवार की मौत

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इस हादसे के बाद तनाव बढ़ गया और स्थानीय लोगों ने राजमार्ग जाम कर दिया। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर जाम हटाने पहुंची टीम पर स्थानीय निवासियों ने पत्थरबाजी की, जिसके बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान महावीर छपरा गांव के निवासी कृष्ण निषाद (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना सोमवार रात करीब 10:30 बजे हुई, जब वह अपनी दुकान बंद करके मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि उसकी मोटरसाइकिल एक खड़ी हुई कार के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

झारखंड के देवघर में आभूषण की दुकान में लूट

रांची: झारखंड के देवघर जिले में आभूषण की एक दुकान में कथित तौर पर लूट हुई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे मोहनपुर थाना क्षेत्र के घोरमारा में हुई। मोहनपुर थाने के प्रभारी अधिकारी सालो हेमब्रोम ने बताया, चार हथियारबंद लोग दो मोटरसाइकिल से दुकान पर पहुंचे। उन्होंने दुकान के मालिक को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया और दुकान लूट ली। उन्होंने कहा, छह ग्राम सोने और 2.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण और 16,000 रुपये नकद लूट लिए गए। लूटे गए आभूषणों का बाजार मूल्य 7.7 लाख रुपये से अधिक है। उन्होंने कहा कि दुकान मालिक के बयान के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। प्रभारी अधिकारी ने कहा, अपराध में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आगरा में यमुना नदी में नहाते समय डूबने से दो लड़कियों समेत चार लोगों की मौत

आगरा (उप्र): आगरा जिले के कमला नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह यमुना नदी में नहाते समय डूबने से दो लड़कियों समेत चार लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी शुभांगी शुक्ला ने बताया कि मृतकों की पहचान कान्हा (22), महक (19), रिया (17) और विक्की (11) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पीएसी और स्थानीय गोताखोरों ने बचाव अभियान शुरू किया।

बिहार में मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों पर होगी सख्त कार्रवाई: सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को निजी स्कूलों को मनमाने और अनुचित तरीके से फीस बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'निजी स्कूलों को फीस संरचना का पूरा विवरण सार्वजनिक करना होगा। फीस और अन्य शुल्कों में मनमानी तथा अनुचित वृद्धि पर पूरी तरह रोक रहेगी।' उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों और अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। चौधरी ने किताबें

और वर्दी किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाने के खिलाफ भी निजी स्कूलों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अभिभावक इन वस्तुओं को किसी भी दुकान से खरीदने के लिए स्वतंत्र हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि फीस जमा नहीं होने की स्थिति में भी स्कूल प्रशासन छात्रों का परीक्षा परिणाम रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा, 'यदि कोई स्कूल इस नियम का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' चौधरी ने कहा कि इन फैसलों से राज्य की शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, समानतापूर्ण और सुलभ बनेगी।

जदयू कार्यालय में जनता दरबार कार्यक्रम की शुरुआत, निशांत कुमार भी सुनेंगे लोगों की समस्याएं

पटना: बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने प्रदेश कार्यालय में जनता दरबार की शुरुआत की है, जहां सोमवार से शुक्रवार तक पार्टी कोटे के मंत्री आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश देंगे। पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार इस पहल का उद्देश्य सरकार और जनता के बीच सीधे संवाद को मजबूत बनाना और लोगों

की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। जदयू की ओर से जारी साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन तीन मंत्री लोगों की शिकायतें सुनेंगे। कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को मंत्री श्रवण कुमार, लेशी सिंह और सुनील कुमार जबकि मंगलवार को उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, शीला कुमारी मंडल और बुलो मंडल जनता की समस्याएं सुनेंगे। साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार भी जनता दरबार में मौजूद रहेंगे। उनके साथ दामोदर रावत और रत्नेश सदा लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

क्या गारंटी है कि दोबारा होने वाली नीट की परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा: अखिलेश यादव

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) परीक्षा रद्द होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि पेपर लीक की बार-बार हो रही घटनाओं से लाखों छात्र और उनके परिजन नाराज हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दोबारा होने वाली परीक्षा की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, क्या गारंटी है कि परीक्षा दोबारा करवाने पर प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा। इस समाचार से लाखों बच्चों और परिजनों के बीच भाजपा की भ्रष्टाचारी व्यवस्था के विरुद्ध बेहद

आक्रोश और हताशा है। सपा प्रमुख ने पोस्ट में कहा, जब तक भाजपा सरकार रहेगी, परीक्षा होती रहेगी लीक, भाजपा के जाने के बाद ही परीक्षा प्रणाली होगी ठीक। भाजपा सरकार मतलब नाकाम सरकार! राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को रद्द करने की घोषणा की। एजेंसी ने कहा कि सीबीआई प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़े आरोपों की व्यापक जांच करेगी।

राजस्थान के कई हिस्सों में लू का प्रकोप, बाड़मेर में 48.3 डिग्री सेल्सियस पहुंचा अधिकतम तापमान

जयपुर: राजस्थान के कई हिस्सों में मंगलवार को लू का प्रकोप रहा और बाड़मेर में अधिकतम तापमान 48.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, फलौदी में 46.4 डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर में 45.8 डिग्री सेल्सियस, चित्तौड़गढ़ में 45.6 डिग्री सेल्सियस और बीकानेर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि राज्य के सभी प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 41 डिग्री से ज्यादा रहा। विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है।

झारखंड में जल और बिजली किल्लत को लेकर भाजपा ने प्रदर्शन किया

रांची: झारखंड में जल और बिजली की कथित किल्लत के विरोध में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने मंगलवार को पूरे राज्य में प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। रांची में राज्य की भाजपा इकाई के अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जल संकट के प्रतीक के रूप में घड़े लेकर 'जिला स्कूल ग्राउंड' से कलेक्ट्रेट तक मार्च किया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने जल और बिजली की निर्बाध आपूर्ति की मांग करते हुए नारे लगाए। सेठ ने राज्य सरकार पर लोगों से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और कहा कि पूरे राज्य में लोगों को पीने के पानी की गंभीर कमी और लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया, सरकार राजनीतिक पर्यटन में व्यस्त है और बिजली और पानी जैसी बुनियादी जरूरतें भी मुहैया कराने में नाकाम रही है। रांची के निवासियों को आठ से दस घंटे की बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है, जबकि ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी बदतर है। साहू ने कहा कि भाजपा पिछले एक सप्ताह से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है और आगाह किया कि अगर सरकार स्थिति में सुधार करने में विफल रही तो प्रदर्शन और तेज हो जाएगा। एक सप्ताह तक चलने वाला यह अभियान रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, गुमला, खुंटी और दुमका के जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किए जाने के बाद समाप्त हुआ। मुंडा ने आरोप लगाया कि राज्य में शासन व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार गर्मी के मौसम में पानी और बिजली की आपूर्ति का प्रबंधन करने में विफल रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रशासन में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि झारखंड में 80,000 से अधिक हैंडपंप खराब पड़े हैं। दुमका में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर पीने के पानी व बिजली की उचित आपूर्ति की मांग की।

लोगों की शिकायतों पर हो तुरंत कार्रवाई, लापरवाह अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे: विजय चौधरी

पटना: बिहार में जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने भरोसा दिलाया है कि सरकार लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर पूरी तरह गंभीर है। एक दिन पहले सरकार द्वारा 'सहयोग' पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1100 शुरू किए जाने के बाद मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि लोगों की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं और यह व्यवस्था लगातार जारी रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर पूरी तरह गंभीर है। जदयू कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और मंत्री शीला कुमारी मंडल ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान चौधरी ने कहा कि सरकार पहले से जनसुनवाई कार्यक्रम चलाती रही है और अब इसे और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन जदयू कार्यालय में मंत्रियों की ड्यूटी लगाई जाएगी जहां आम लोग सीधे अपनी समस्याएं रख सकेंगे। सोमवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा शुरू किए गए 'सहयोग' पोर्टल और हेल्पलाइन 1100 के माध्यम से लोग घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। शिकायतों का निपटारा 30 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा। यदि तय समय सीमा में समाधान नहीं हुआ तो 31वें दिन संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई अथवा स्वत: निलंबन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हेल्पलाइन सेवा सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक संचालित होगी। जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोना कम खरीदने और तेल बचाने की अपील का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जुड़ा विषय है और प्रधानमंत्री ने लोगों को सुझाव दिया है, कोई आदेश नहीं।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद लखनऊ की महापौर ने अधिकारियों को एक वाहन वापस करने का निर्देश दिया

लखनऊ: ईंधन की खपत कम करने और संसाधन बचाने को बढ़ावा देने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंगलवार को नगर निगम के अधिकारियों को अतिरिक्त सरकारी वाहन वापस करने का निर्देश दिया और ईंधन के अनावश्यक उपयोग को कम करने के लिए कर्मचारियों को घर से दोपहर का भोजन लेकर आने की सलाह दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नगर निगम आयुक्त गौरव कुमार को लिखे एक पत्र में महापौर ने कहा कि अधिकारियों और इंजीनियरों को फिलहाल नगर निगम की तरफ से दो वाहन आवंटित किए गए हैं, जिनमें से उन्हें तुरंत एक वाहन वापस करना होगा और ईंधन का तर्कसंगत उपयोग सुनिश्चित करने के लिए केवल एक वाहन रखना होगा।

बिहार में सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ीं, लैंगिक अपराधों के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएं: डीजीपी

पटना: बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने मंगलवार को कहा कि राज्य में पिछले दो दशकों में सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसके बाद समाज में ऐसी घटनाओं के प्रति सहनशीलता बढ़ती जा रही है। डीजीपी पटना में स्थित पुलिस मुख्यालय में लैंगिक आधार पर हिंसा विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, दो दशक पहले सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं बहुत कम होती थीं और ऐसे मामलों पर समाज में काफी आक्रोश देखने को मिलता था, लेकिन अब ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ गई है, जिससे समाज में इनके प्रति सहनशीलता का स्तर भी बढ़ा है। कुमार ने कहा कि राज्य में यौन उत्पीड़न और हिंसा से जुड़े केवल दो प्रतिशत मामले ही दर्ज हो पाते हैं, इसके लिए पुलिस की निष्क्रियता और पीड़ितों का दमन प्रमुख कारण हैं। डीजीपी ने तेजाब हमलों और घरेलू हिंसा जैसे लैंगिक अपराधों से निपटने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और कानूनों के सख्त क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, तेजाब हमले और घरेलू हिंसा से निपटने के लिए पर्याप्त कानून मौजूद हैं, लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन में अभी काफी सुधार की जरूरत है। ऐसे मामलों में समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, अभियोजन पक्ष और अदालतों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। डीजीपी ने अधिकारियों से मामलों को समर्पण भाव से संभालने का आग्रह करते हुए कहा कि 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' समर्थित लैंगिक संवेदनशीलता और व्यवहार सुधार संबंधी अध्ययन से मिले निष्कर्ष पुलिस बल को लैंगिक अपराधों के मामलों में अधिक संवेदनशील बनने में मदद कर सकते हैं। जनता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों को चेतावनी देते हुए कुमार ने कहा कि ऐसे पुलिसकर्मियों को इस्तीफा देकर घर बैठ जाना चाहिए। उन्होंने मोतिहारी की उस घटना का उल्लेख किया जिसमें एक महिला पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म पीड़िता का अदालत में बयान दर्ज कराने के नाम पर पैसे वसूलने का आरोप लगा था। डीजीपी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं पीड़ितों को दोबारा मानसिक प्रताड़ना देती हैं और ऐसे पुलिसकर्मियों के लिए सेवा में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। कुमार ने पुलिसिंग में असंवेदनशील रवैये पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों से लोगों के प्रति विनम्र व्यवहार करने की अपील की। उन्होंने कहा, हम देखते हैं कि कई बार पुलिस अधिकारी, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, लोगों से रूखे और अहंकारी तरीके से बात करते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। पुलिसकर्मियों को लोगों के प्रति संवेदनशील और विनम्र होना चाहिए।

समाज्ञा

मनोरंजन

चेरी मुरगे की अक्ल

नरेंद्र देवांगन

हरेलीवन में चांटी चूहा और चेरी मुरगा रहते थे। दोनों पक्के दोस्त थे।

चांटी चूहा बहुत मेहनती था। खाने की तलाश में सवेरे ही बिल से निकल जाता था और फिर शाम को लौटता था।

मगर चेरी मुरगा अव्वल दर्जे का आलसी था। वह दिन भर अपने घर में बैठा रहता। उसे कोई काम करना अच्छा नहीं लगता था।

दोस्त होने के नाते चांटी चेरी को अपने हिस्से का खाना दे देता था। चेरी भरपेट भोजन करने के बाद आराम से सो जाता था।

चांटी चेरी को बहुत समझाता और डांटता था। वह उसे समझा समझा कर हार गया पर चेरी ने अपनी आदत नहीं बदली।

एक दिन चांटी ने चेरी से कहा, 'ऐसे बैठे - बैठे कब तक खाएगा?'

'भई, तुम्हारे जैसे दोस्त के रहते मुझे काम करने की क्या जरूरत। तुम मेरे लिए भोजन की व्यवस्था कर ही देते हो,' चेरी लापरवाही से बोला।

'चेरी भाई, आलस बुरी आदत है। इस का परिणाम बुरा होता है। मेहनत कर के खाना सीखो, ' चांटी ने समझाया।

'मुझे काम करना अच्छा नहीं लगता। मुझे दिनभर खर्राटे लेना अच्छा लगता है,' चेरी बोला।

दरअसल, चेरी को आराम फरमाने की लत पड़ गई थी। वह खाने और सोने के सिवा कुछ नहीं करता था। इस तरह सुस्ती और बैठे बैठे खाने के कारण आलसी चेरी दिन पर दिन मोटा होने लगा।

चांटी को चेरी पर बहुत गुस्सा आया। उस ने उसे खाना देना बंद कर दिया।

'चेरी, अब मैं तुम्हें खाना नहीं दे सकता। तुम यहीं कहीं कीड़े-मकोड़े ढूंढ कर खा लिया करना, ' चांटी ने साफ साफ कह दिया।

मरता क्या न करता। चेरी कीड़े-मकोड़ों की तलाश में मैदान में जा पहुंचा। घास में कीड़े मकोड़े. खोजता फिरा पर वे मिले ही नहीं। कीड़े भी बड़े चालाक। घास के भीतर छिप कर बैठ गए। इस पर चेरी को घास पर बड़ा गुस्सा आया। बोला, 'अरी घास, 24 घंटे चित लेटी रहती हो, हिलने डुलने का नाम नहीं लेती। कुछ दिनों के लिए कहीं घूम फिर क्यों नहीं आती ?

घास मंदमंद मुस्कराई और बोली, 'भई चेरी, ऐसा

ही करूंगी। कल सुबह मैं यहां दिखाई न दूंगी।

चेरी बड़ा खुश हुआ। घर लौट कर सोचने लगा, 'अब मुझे घास में कीड़े मकोडे. खोजते हुए परेशान नहीं होना पड़ेगा। जमीन पर वे अब यों ही दिखाई दे जाएंगे। अब तो मैं उन्हें गपा गप, जी भर कर खाया करूंगा।'

अगले दिन चेरी मैदान में पहुंचा तो अवाक। घास के तो कहीं दर्शन ही नहीं हुए। सारी जगह धूल से भरी हुई है। वह लालपीला हो कर मिट्टी से झगड़ा कर बैठा।

'ऐ मिट्टी, कीड़े मकोडे. कहां हैं? जल्दी बता,' चेरी गुस्से में बोला।

मिट्टी ने सीधे सादे ढंग से जवाब दिया, 'मेरा किसी से कोई लेना देना नहीं है। जो भी मेरा आश्रय चाहता है, मैं उसी को शरण देती हूं। कीड़े मकोड़ों का मुझे क्या पता? शायद गड्ढे. वगैरा में घुस गए हों।

इस पर चेरी बोला, 'ये कीड़े मकोडे. मेरा भोजन हैं। तुम उन्हें गड्ढों से निकलने के लिए कहो नहीं तो कहीं और चली जाओ।

जवाब में मिट्टी बोली, 'ठीक है, मैं पहाड़ी पर चली जाऊंगी। कल सुबह तुम मुझे यहां नहीं देखोगे।'

उस दिन रात भर मूसलाधार बारिश हुई। उस रात चेरी ने सपना देखा कि वह सुबह के वक्त कीडे. मकोड़े पकड़ पकड़ कर मजे से खा रहा है।

सूर्य निकलते ही वह गाते गाते मैदान में जा पहुंचा मगर यह क्या? वहां तो अच्छा खासा पानी भरा था।

'तुम कौन हो? यहां जिस के रहने की बात थी, उसका तो अता पता नहीं है। तुम यहां क्यों आए?' चेरी ने पानी से पूछा।

पानी ने जवाब में कहा, 'मैं तो बादल से आया हूं। मिट्टी के चले जाने से जो बहुत बड़ा गड्ढा हो गया था, उसे मैंने भर दिया है। मुझे देख कर तुम्हें अच्छा क्यों नहीं लग रहा?

इस पर चेरी ने गुस्से में कहा, 'कीड़े मकोड़े कहां हैं ? जब तक मैं उन्हें नहीं देखूंगा, मुझे कुछ भी अच्छा न लगेगा। तुम कृपा करके और कहीं चले जाओ।'

पानी को बड़ी हैरानी हुई। पूछा, 'कहां जाऊं मैं?'

'जहां मर्जी हो चले जाओ। मोटी बात यह कि यहां रहने से काम नहीं चलेगा,' चेरी ने गुस्से से कहा तो पानी मान गया।

चेरी घर आकर कच्चे कमरे में लकड़ी के बक्से में सो गया। अचानक नींद टूट गई। उसने देखा कि सारे फर्श पर पानी ही पानी है। उसका बक्सा पानी में तैर रहा है।

'अरे, यह क्या? यहां पानी क्यों?' चेरी चीख उठा।

इस पर पानी बोला, 'मैं जगह बदल कर यहां आ गया हूं। तुमने ही कहा था न कि जहां मर्जी हो चले जाओ।'

अब तो चेरी रो पड़ा। बोला, 'नहीं, मैं पानी में डूब कर नहीं मरूंगा। हरगिज नहीं। तुम चले जाओ। जहां जो था, वही रहे। फिर सब वही हो। मैं मरना नहीं चाहता। मैं जीने के लिए कष्ट उठाऊंगा। मेहनत करूंगा। अब मटरगश्ती नहीं करूंगा।

यह सुन कर पानी हंसते हंसते चला गया और चेरी मैदान में जा कर चारों ओर देखता है कि जहां जैसे था, सब वैसे ही है। (उर्वशी)

जब बिल्ली हुई निराश

ए.पी. भारती

एक बार की बात है। एक बिल्ली को जोरों की भूख लग रही थी। उसने चूहे और अपने खाने लायक कई अन्य चीजें काफी ढूंढीं परंतु उसे कुछ भी खाने को नहीं मिला। उधर भूख के मारे पेट में भूचाल आया हुआ था। बिल्ली बुरी तरह परेशान थी।

भूख और थकान से बेदम होकर वह एक पेड़ के नीचे गिर पड़ी। कुछ देर में वह कुछ संभली। वह पेड़ की डाली पर हलचल होने पर ऊपर देखने लगी। वहां एक कौवा पूरी रोटी मुंह में दबाए बैठा था। बिल्ली के मुंह में रोटी देखकर पानी आ गया। उसने सोचा कौए से किस प्रकार रोटी हथियाई जाए?

कुछ सोचने के बाद उसे एक युक्ति सूझ गई। वह कौए से बोली, 'कौवे भाई, मैं तो तुम्हें कब से खोज रही थी। तुम्हारी आवाज तो बड़ी मीठी होती है। आज मेरा मूड तुम्हारे मधुर कंठ से गाना सुनने का हो रहा है। अपनी सुरीली आवाज में एक गीत सुनाओ न।'

कौवा सोचने लगा, 'मेरी आवाज तो बड़ी कर्कश है। इसे मेरी आवाज कैसे अच्छी लगने लगी। बिल्ली बड़ी शातिर होती है। जरूर इसमें उसकी कोई चाल है।'

बिल्ली उसे चुप देख बोली, 'कौवे भाई, क्या सोचने लगे। मुझे कुछ मानसिक परेशानी भी है। अगर तुम गाना सुना दोगे तो मेरा तनाव खत्म हो जाएगा। कृपा करके अब गा भी दो।'

जिस कौवे को बिल्ली मूर्ख समझ रही थी, उसने भी एक युक्ति सोच ली। उसे पता था कि उसने चोंच खोली नहीं कि रोटी नीचे गिर जाएगी। बिल्ली की यही योजना थी और कौवे ने बिल्ली का यही प्लान फेल कर दिया। कौवे ने रोटी पंजे में दबाई और कांव- कांव कर गाना गाने लगा।

बिल्ली को कौवे की अक्लमंदी पर बड़ा झटका लगा। वह मायूस होकर फिर शिकार की तलाश में चल पड़ी। कौवा कुछ क्षण उसे देखता रहा। उसे बिल्ली की योजना समझ आ गई। वह बिल्ली पर हंसा और नोंच-नोंच कर रोटी खाने लगा। (उर्वशी)

सबसे अच्छे धरती वासी

नरेन्द्र देवांगन

कुशीनगर कस्बे से कुछ दूरी पर एक वैज्ञानिक डा.कृष्णकांत रहते थे। उनका एक बेटा था कपिल। कपिल को पढ़ने का बहुत शौक था। वह अपने पिता से तरह-तरह के प्रश्न पूछता रहता था। उसका मन बहलाने के लिए उसके पिता ने उसे दो पालतू जानवर ला दिए थे।

एक दिन कपिल के पिता ने उसे अंतरिक्ष से संबंधित एक किताब दी। कपिल अपने पालतू कुत्ते पिक्कू और टीटू तोते को ले कर पार्क में

किताब पढ़ने चला गया। वहां कुछ देर खेलने के बाद वह किताब पढ़ने लगा। फिर उसे नींद आ गई।

अचानक उसे लगा कि थोड़ी दूरी पर प्रकाश फूट रहा है। वह एक पेड़ के पीछे छिप कर देखने लगा। वह एक उड़न तश्तरी थी। उसका दरवाजा खुला था। कपिल उत्सुकतावश उसमें चला गया। उसके अंदर घुसते ही दरवाजा बंद हो गया। पल भर में उड़न तश्तरी अंतरिक्ष में जा पहुंची। कपिल आंखें फाड़-फाड़ कर चमकते तारों, उपग्रहों, उल्का पिंडों को पहली बार इतने नजदीक से देख रहा था।

कुछ देर बाद उड़न तश्तरी शनि ग्रह पर उतर गई। वहां अजीब-अजीब से प्राणी घूम रहे थे पर किसी ने उसकी तरफ देखा तक नहीं। उसे भूख लगी थी, पर कोई खाने तक के लिए नहीं पूछ रहा था। वहां उसे ऐसा कुछ न मिला जो उसके मन को मोह सके।

वह रोने ही वाला था कि भौंकने की आवाज सुन कर हड़बड़ा गया। उसने देखा, वह तो सपनों में खो गया था। वह तुरंत घर की ओर वापस चल पड़ा। वह समझ गया था कि धरती के लोगों की तरह दूसरे ग्रह के लोगों के पास दूसरों को देने के लिए प्यार नहीं होता। वह धरती पर ही खुश था। (उर्वशी)

भक्त ने श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रु से अधिक की राशि दान की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश): मुंबई के एक भक्त ने मंगलवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि दान की। दान का डिमांड ड्राफ्ट तिरुमला स्थित अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी चि. वेंकैया चौधरी के शिविर कार्यालय को सौंपा गया। मंदिर प्रशासन की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई के विजय रमेश चंद्र ने टीटीडी श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट को 1.03 करोड़ रुपये दान किये। 2001 में स्थापित श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट का उद्देश्य हृदय, किडनी, मस्तिष्क, कैंसर और अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित गरीब रोगियों को निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है।

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीते के चार शावक मृत पाए गए

श्योपुर (मध्यप्रदेश): मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते के एक माह पहले जन्मे चार शावक मंगलवार सुबह मृत पाए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, ''आज सुबह करीब साढ़े छह बजे निगरानी दल को श्योपुर वन मंडल में मांद स्थल के पास चार शावक मृत मिले। मादा चीता 'केजीपी12' ने 11 अप्रैल को इन शावकों को जन्म दिया था। शव आंशिक रूप से खाए हुए पाए गए हैं।'' उन्होंने बताया कि शावकों को आखिरी बार 11 मई की शाम जीवित देखा गया था। अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि इन शावकों की मौत किसी अन्य वन्यजीव के हमले के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि मादा चीता सुरक्षित और स्वस्थ है और शव परीक्षण व विस्तृत जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में घर में आग लगने और सिलेंडर फटने से एक परिवार के चार सदस्यों की मौत

दुर्ग: छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मंगलवार को एक मकान में आग लगने और रसोई गैस सिलेंडर फटने से एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें दो नाबालिग हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना कुम्हारी शहर के खपरी रोड इलाके में दोपहर के समय हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान होमदास वैष्णव (40), लक्ष्मी वैष्णव (18), चांदनी (17) और गोपिका (दो) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच के आधार पर ऐसा लगता है कि पहले घर में आग लगी और उसके बाद रसोई गैस सिलेंडर फट गया, जिसके कारण घर में मौजूद चारों लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया, घुसपैठिया मारा गया

पुंछ/जम्मू: भारतीय सेना ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों के घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया और एक घुसपैठिए को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना नियंत्रण रेखा के पास कृष्णा घाटी अग्रिम क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि सतर्क सैनिकों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के एक समूह का पता लगाया और उन्हें ललकारा, जिसके बाद गोलीबारी हुई। 'व्हाइट नाइट कोर' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, लगातार निगरानी के आधार पर आज शाम लगभग चार बजे नियंत्रण रेखा पर पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर के सामान्य क्षेत्र के तहत हमारे क्षेत्र के लगभग 300 मीटर भीतर संदिग्ध गतिविधि का पता चला। सेना ने बताया कि 'व्हाइट नाइट कोर' के जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सेना ने यह भी बताया कि एक घुसपैठिए को मार गिराया गया है। उन्होंने कहा कि सेना इस क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाए हुए है और पूरे सेक्टर में उच्च स्तर की अभियानगत तत्परता बनाए हुए है। सूत्रों ने बताया कि संदेह है कि घुसपैठिया लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और मनकोट के बिचो चौकी के पास सीमा के इस तरफ घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा था।

नीट-यूजी 2026 रद्द: छात्रों के सामने नई चुनौती, अब आगे क्या?

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 को रद्द किए जाने के बाद देशभर के 22 लाख से अधिक मेडिकल अभ्यर्थियों और उनके परिवारों में चिंता और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। परीक्षा दोबारा कब होगी, नया प्रवेश पत्र कब जारी होगा, क्या परीक्षा केंद्र बदलेंगे और काउंसलिंग प्रक्रिया पर इसका क्या असर पड़ेगा-इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए छात्र लगातार आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं और कथित पेपर लीक के आरोपों के बाद तीन मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। मामले की जांच राजस्थान विशेष अभियान समूह (एसओजी), केंद्रीय एजेंसियों और अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। एनटीए का कहना है कि परीक्षा पूर्ण सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें प्रश्नपत्रों की जीपीएस ट्रैकिंग, बायोमेट्रिक सत्यापन, एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी और 5जी जैमर जैसी व्यवस्थाएं शामिल थीं। इसके बावजूद परीक्षा प्रक्रिया पर उठे सवालों के कारण एजेंसी ने छात्रों के हित और परीक्षा प्रणाली में विश्वास बनाए रखने के लिए पुनर्परीक्षा कराने का निर्णय लिया।

कब होगी दोबारा परीक्षा?

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह के अनुसार पुनर्परीक्षा की नई तारीख अगले सात से दस दिनों के भीतर घोषित की जाएगी। एजेंसी का प्रयास है कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया और शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हों।

क्या दोबारा आवेदन करना होगा?

एनटीए ने स्पष्ट किया है कि छात्रों को फिर से पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। मई 2026 परीक्षा के लिए किया गया पंजीकरण और उम्मीदवारों का डेटा पुनर्परीक्षा में स्वतः मान्य रहेगा। छात्रों से कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।

नया प्रवेश पत्र और परीक्षा केंद्र

एजेंसी ने कहा है कि पुनर्परीक्षा के लिए नए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे, जिनकी सूचना आधिकारिक वेबसाइट और माध्यमों से दी जाएगी। फिलहाल पुराने परीक्षा केंद्रों को ही मान्य माना गया है, हालांकि केंद्र आवंटन में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

छात्रों को क्या सलाह?

एनटीए ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें और सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट खबरों से बचें। एजेंसी ने माना कि पुनर्परीक्षा से छात्रों को असुविधा होगी, लेकिन परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है।

नीट विवादों का लंबा इतिहास

नीट परीक्षा पिछले एक दशक में कई बार विवादों के घेरे में रही है।

- 2013 में उच्चतम न्यायालय ने नीट को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था।
- 2016 में अदालत ने इसे पुनः लागू किया और परीक्षा दो चरणों में आयोजित हुई।
- 2017 में तमिलनाडु की छात्रा एस अनीता की आत्महत्या के बाद नीट को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ।
- 2019 में तमिलनाडु में फर्जी उम्मीदवारों के जरिए मेडिकल प्रवेश घोटाला सामने आया।
- 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान परीक्षा कराने को लेकर देशभर में विरोध हुआ।
- 2022 में केरल में ड्रेस कोड विवाद ने परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।
- 2024 में पेपर लीक और कृपांक (ग्रेस मार्क्स) विवाद ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा हंगामा खड़ा किया। उस समय 67 छात्रों के पूर्ण अंक लाने और 718-719 जैसे असामान्य अंक मिलने पर मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा था।

इन लगातार विवादों के बाद केंद्र सरकार ने इसरो के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की थी। समिति ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, आउटसोर्सिंग कम करने, ऑनलाइन एवं हाइब्रिड परीक्षा मॉडल अपनाने और सुरक्षा तंत्र मजबूत करने जैसी सिफारिशें दी थीं। नीट-यूजी 2026 का रद्द होना एक बार फिर देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर गया है। अब लाखों छात्रों की निगाहें एनटीए की अगली घोषणा और पुनर्परीक्षा की तारीख पर टिकी हैं।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में माओवादियों के ठिकानों से एक करोड़ रुपये से अधिक नकदी, हथियार बरामद

नारायणपुर (छत्तीसगढ़): छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के जंगलों में माओवादियों के ठिकानों पर एक महीने तक चले अभियान के दौरान एक करोड़ रुपये से अधिक नकदी और हथियार व विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया ने बताया कि 31 मार्च को राज्य को हथियारबंद माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के बाद, जिले में एक विशेष माओवादी-विरोधी अभियान शुरू किया गया था ताकि माओवादियों द्वारा पहले से छिपाए गए सामान का पता लगाकर उसे बरामद किया जा सके। उन्होंने बताया कि माड़ बचाओ अभियान के तहत चलाए गए इस अभियान में जिला पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान शामिल थे। यह अभियान मुख्य रूप से अबूझमाड़ के जंगलों में चलाया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई खुफिया जानकारी और ग्रामीणों के सक्रिय सहयोग के आधार पर की गई, जिसकी मदद से सुरक्षा बल जंगलों के दूरदराज के इलाकों में छिपे माओवादियों के कई ठिकानों तक पहुंच पाए। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 1,01,64,000 रुपये का नकदी बरामद की, जिसमें से 14 लाख रुपये एक ठिकाने से और बाकी रकम दूसरे ठिकाने से मिली। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इसके अलावा 28 हथियार, कारतूस, विस्फोटक सामग्री और रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान भी बरामद किया गया।

तमिलनाडु : अबू धाबी जाने वाले विमान के पंख में आग लगने के बाद उड़ान रद्द

चेन्नई: अबू धाबी जाने वाले एक विमान के पंख में मंगलवार को आग लगने के बाद उसकी उड़ान रद्द कर दी गई। इस विमान में लगभग 280 यात्री सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमानन कंपनी 'एतिहाद एयरवेज' का विमान उड़ान भरने की तैयारी में था तभी पायलटों ने आग देखी, जिसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया और किसी को कोई चोट नहीं आई। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग बुझा दी और उड़ान रद्द कर दी गई। 'एतिहाद एयरवेज' की प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

मोदी की अपील के समर्थन में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मुंबई में मेट्रो ट्रेन में यात्रा की

मुंबई: अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गयी मितव्ययिता की अपील का समर्थन करते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को यहां मेट्रो ट्रेन से यात्रा की और लोगों से ईंधन बचाने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की अपील की। यहां बीकेसी और विधान भवन स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रेन की यात्रा करने के बाद आठवले ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील का राजनीतिकरण करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से ये उपाय सुझाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने व्यक्तिगत रूप से यह निर्णय लिया है कि पेट्रोल और डीजल की बचत करने के दृष्टिकोण से मेट्रो से यात्रा करना आवश्यक है। अन्य लोगों को भी मेट्रो से यात्रा करनी चाहिए और ईंधन बचाने में मदद करनी चाहिए।' प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने समेत कई उपायों का आह्वान किया है। राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि मोदी की मितव्ययिता की अपील का अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है और उन्होंने उनसे स्थिति पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया।

दिल्ली के मंत्री ने मेट्रो से किया सफर

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की अपील के बाद, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को दिल्ली मेट्रो से यात्रा की और बाद में पूर्वी दिल्ली में एक स्कूल का दौरा करने के लिए ई-रिक्शा लिया। सूद को अपनी मेट्रो यात्रा के दौरान यात्रियों से बातचीत करते हुए और बाद में यातायात में फंसने पर ई-रिक्शा पर सवार होते देखा गया। मंत्री ने कहा कि आमतौर पर वह और विभाग के अधिकारी निरीक्षण के लिए संस्थानों का दौरा करते समय तीन कारों का उपयोग करते हैं, जिससे ईंधन की खपत अधिक होती है। उन्होंने कहा, 'हालात बेहतर होने तक हम सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करेंगे।' एक बयान के अनुसार, सूद ने आईएनए से कड़कड़डूमा अदालत तक दिल्ली मेट्रो से यात्रा की और फिर मेट्रो स्टेशन से सूरजमल विहार स्थित सीएम श्री स्कूल तक ई-रिक्शा लिया, जहां उन्होंने जोन एक और दो के स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बातचीत की। मंत्री की यह यात्रा सूरजमल विहार स्थित 'सीएम श्री स्कूल' में विद्यालयों के प्रमुखों के साथ एक संवाद कार्यक्रम का हिस्सा थी।

केदारनाथ मंदिर की आय 2024-25 में 34 प्रतिशत बढ़कर 71.06 करोड़ रुपये हुई

देहरादून: केदारनाथ मंदिर की वित्त वर्ष 2024-25 में चढ़ावे, दान और विभिन्न सेवाओं से कुल 71.06 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34.32 प्रतिशत अधिक है। कार्यकर्ता अमित गुप्ता ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन के जरिये जानकारी मांगी थी, जिसके जवाब में ये आंकड़ें उपलब्ध कराए हैं। वर्ष 2023-24 में मंदिर की आय 52.90 करोड़ रुपये रही थी। मंदिर समिति ने बताया कि 2024-25 में 3.77 करोड़ रुपये की शुरुआती शेष राशि को शामिल करने के बाद रुद्रप्रयाग जिले में मंदिर के लिए कुल उपलब्ध धनराशि 74.84 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। समिति ने बताया कि मंदिर में विशेष पूजाओं से 14.18 करोड़ रुपये और थाली भेंट (दान) से 9.59 करोड़ रुपये अर्जित किए गए जबकि हेलीकॉप्टर सेवाओं के माध्यम से 3.19 करोड़ रुपये, विशेष दान और हुंडी (संग्रह पेटी) से 4.46 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। मंदिर समिति ने 'यात्री भोग' से 1.56 करोड़ रुपये और निवेश पर ब्याज के रूप में 2.75 करोड़ रुपये भी प्राप्त किए। इकतीस मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष में मंदिर पर कुल 66.39 करोड़ रुपये व्यय हुआ। आरटीआई आवेदन के जवाब के अनुसार, मंदिर की वित्तीय वर्ष 2023-24 में 52.90 करोड़ रुपये की आय हुई और 54.16 करोड़ रुपये खर्च हुए। मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने 'पीटीआई भाषा' से बातचीत में कहा कि समिति केदारनाथ मंदिर के अलावा बदरीनाथ समेत 47 अन्य मंदिरों का प्रबंधन करती है।

सामाजिक सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं हो सकता : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं ने समाज की आवश्यकताओं और उस समय की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रावधान बनाए थे तथा नौ-सदस्यीय संविधान पीठ उन मूल व्यवस्थाओं को पूरी तरह उलट नहीं सकती। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-सदस्यीय संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश, धार्मिक स्वतंत्रता और भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। पीठ धार्मिक स्वतंत्रता के व्यापक दायरे तथा दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर भी विचार कर रही है। सुनवाई के दौरान केरल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने दलील दी कि सामाजिक सुधार के नाम पर किसी धर्म के मूल स्वरूप को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में पवित्र स्थलों पर पूजा का विशेष महत्व है और यदि ऐसी परंपराओं को समाप्त किया जाता है तो यह श्रद्धालुओं के अधिकारों का उल्लंघन होगा। इस पर न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने टिप्पणी की कि संविधान के अनुच्छेद 25(1) के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का हनन सामाजिक सुधार के नाम पर नहीं किया जा सकता। मामले में हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि शबरिमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक मासिक धर्म आयु के आधार पर लगाई जाती रही है, जिसे सामाजिक दृष्टि से भी देखा जाना चाहिए।

डॉक्टर की नैतिक जिम्मेदारी की जगह नहीं ले सकती एआई : उपराष्ट्रपति

नयी दिल्ली: उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि कोई भी कृत्रिम मेधा (एआई) मरीज के बिस्तर के बगल में खड़े चिकित्सक की नैतिक जिम्मेदारी की जगह नहीं ले सकती। उन्होंने चिकित्सकों से अपील की कि वे मरीजों के प्रति धैर्यशील रहें। उन्होंने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 51वें दीक्षांत समारोह में कहा कि चिकित्सकों को विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन का अवसर गंवाना नहीं चाहिए, लेकिन उन्हें अपने देश और अपने लोगों की सेवा के लिए लौटना ही चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एआई-संचालित तकनीक चिकित्सा समेत कई क्षेत्रों में अपनी जगह बना रही है। उन्होंने कहा, लेकिन कोई भी एआई मरीज के बिस्तर के बगल में खड़े डॉक्टर के नैतिक दायित्व की जगह नहीं ले सकती। राधाकृष्णन ने डॉक्टरों से कहा, ''आपकी मानवीय संवेदना और कुछ विनम्र शब्द दवा से ज्यादा असरकारी हो सकते हैं।'' उन्होंने चिकित्सकों से अपील की कि जब मरीज बेतुके प्रश्न पूछें, तो वे उनके प्रति धैर्य रखें। उपराष्ट्रपति ने कहा, जब आप उन्हें चीजों को समझाएंगे, तो वे समझेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य स्थानों पर एम्स खोलने से स्वास्थ्य सेवाएं उन क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं, जहां पहले नहीं थी तथा दूर-दराज के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली नहीं भागना पड़ता है। उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई राज्यों में नए चिकित्सा और नर्सिंग कॉलेज खोलने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सराहना भी की।

हिमंत मंत्रिमंडल में असम की सबसे लंबे समय तक विधायक रहने वाली महिला समेत चार नेता शामिल

गुवाहाटी: असम में मंगलवार को नये मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ शपथ लेने वाले चार मंत्रियों में राज्य विधानसभा में सबसे ज्यादा समय तक सेवा देने वाली महिला विधायक, चाय बागान जनजाति के एक अनुभवी नेता और राजग में भाजपा के सहयोगी दल अगप तथा बीपीएफ के एक-एक वरिष्ठ नेता शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने असम में लगातार तीसरी बार सत्ता की कमान संभाल ली है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भाजपा नेता अजंता नियोग और रामेश्वर तेली के साथ-साथ असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोरो को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल हुए। हालांकि, नये मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है। तेली को छोड़कर बाकी तीनों मंत्री असम की पिछली राजग सरकार का भी हिस्सा थे। अजंता नियोग : गोलाघाट से छह बार की विधायक नियोग 2001 से उक्त विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके नाम राज्य विधानसभा में सबसे लंबे तक सेवा देने वाली महिला विधायक होने का रिकॉर्ड दर्ज है। 2021 में वह राज्य की पहली महिला वित्त मंत्री भी नियुक्त की गई थीं। नियोग (62) अतीत में कांग्रेस का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकारों में मंत्री के रूप में भी काम किया था। हालांकि, 2020 में नियोग भाजपा में शामिल हो गईं और उपचुनाव में अपनी सीट बरकरार रखी। उनके पति और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे नागेन नियोग 1996 में एक उग्रवादी हमले में मारे गए थे। रामेश्वर तेली : चाय बागान जनजाति के प्रमुख नेता तेली केंद्र की मोदी सरकार में राज्य मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। छात्र जीवन से ही राजनीति की दुनिया में सक्रिय तेली ने 2001 में दुलियाजान निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीतकर राज्य विधानसभा में पहली बार दस्तक दी। 2006 के चुनाव में भी वह इस सीट को बरकरार रखने में कामयाब रहे। हालांकि, 2011 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद तेली (55) ने राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखने का फैसला किया। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने डिब्रूगढ़ सीट जीती और 2019 में भी इसे बरकरार रखा। वह राज्यसभा सदस्य भी रह चुके हैं। तेली 2026 के असम विधानसभा चुनाव में दुलियाजान से एक बार फिर विधायक चुने गए हैं। अतुल बोरा : अगप अध्यक्ष बोरा 2014 से इस क्षेत्रीय पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। वह 'ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन' के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और उन नेताओं में शामिल हैं, जो 1979-85 के विदेशी विरोधी असम आंदोलन के दौरान उभरे थे। पांच बार के विधायक बोरा (66) ने 1996 में गोलाघाट में जीत के साथ राज्य विधानसभा में पहली बार कदम रखा था। 2016 में उन्होंने बोकाखाट से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। वह लगातार तीसरी बार इस सीट से विधायक चुने गए हैं। बोरा ने पिछली राजग सरकारों में कृषि, सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास और असम समझौते का कार्यान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विभागों की कमान संभाली थी। चरण बोरो : बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के माजबत से तीसरी बार विधायक चुने गए चरण बोरो (46) नये मंत्रिमंडल में शामिल निचले असम से एकमात्र मंत्री हैं। वह अक्टूबर 2025 में राजग के पिछले मंत्रिमंडल के आखिरी विस्तार के दौरान उसमें शामिल हुए थे, जब उनकी पार्टी बीटीआर परिषद चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद भाजपा नीत गठबंधन का हिस्सा बन गई थी। पिछली सरकार में चरण बोरो ने परिवहन मंत्री के रूप में सेवा दी थी और कई अन्य जिम्मेदारियां भी संभाली थीं।

विकास को नयी गति प्रदान करेगी 'डबल इंजन' असम सरकार: भाजपा अध्यक्ष नवीन

गुवाहाटी: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि असम की 'डबल इंजन' सरकार विकास गतिविधियों, निवेश और जन कल्याण कार्यक्रमों में तेजी लाएगी। नितिन नवीन ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया और दूसरी बार पदभार संभालने पर शर्मा को बधाई दी। नवीन ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'यह अवसर असम के सुशासन, स्थिरता और विकास की दिशा में जारी यात्रा को नयी गति प्रदान करने का प्रतीक है। 'डबल इंजन' राजग सरकार के रूप में, केंद्र और राज्य के बीच यह समन्वय मूलभूत अवसंरचना, निवेश, कनेक्टिविटी और जन कल्याण जैसे क्षेत्रों में नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा।' भाजपा नेता डबल इंजन शब्द का प्रयोग पार्टी के केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में होने पर करते हैं। नवीन ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में शर्मा का प्रशासन राज्य को प्रगति और समृद्धि की नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगा। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में असम आज पूर्वोत्तर के विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है और पूरे क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि का नेतृत्व कर रहा है।'

राजग शासन ने असम को 'हिंसा के केंद्र' से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के केंद्र में बदल दिया: शाह

गुवाहाटी: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 10 वर्षों में असम हिंसा के केंद्र से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विकास के केंद्र में बदल गया है। यहां मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते हुए शाह ने कहा कि लोग भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उसकी उपलब्धियों के शानदार रिकॉर्ड के कारण बार-बार चुनते हैं। शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पिछले 10 वर्षों में, असम हिंसा के केंद्र से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विकास के केंद्र में बदल गया है। पूर्वोत्तर राज्य कई दशकों तक उग्रवादी गतिविधियों से प्रभावित रहा। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने विकास और सुरक्षा की एक मजबूत नींव रखी है, जिस पर अब प्रगति की एक भव्य इमारत खड़ी की जाएगी। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को लगातार तीसरी बार चुनकर असम की जनता ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा-राजग सरकारें भरोसे की सरकारें हैं... ऐतिहासिक जनादेश के लिए मैं असम की जनता को नमन करता हूं।

रुपया 40 पैसे लुढ़ककर 95.68 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई : अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे औंधे लुढ़ककर 95.68 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में 10 सप्ताह से जारी संघर्ष के गहराने और तेल एवं गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए इसे ठुकराए जाने से अनिश्चितता और बढ़ गई है। इसके अलावा, बाज़ार के प्रतिभागियों ने सप्ताहांत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन संरक्षण और आयात में कमी से जुड़ी टिप्पणियों को इस बात की एक सूक्ष्म स्वीकारोक्ति के रूप में समझा कि यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो भारत का व्यापार घाटा और भुगतान संतुलन से जुड़ा दबाव और बिगड़ सकता है।

तेल की चिंता में बाजार में गिरावट जारी; सेंसेक्स 1,456 अंक लुढ़का, निफ्टी 23,500 अंक से नीचे आया

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,456 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,500 अंक के नीचे आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमत और पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर अनिश्चितता से बाजार धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी और रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। चौतरफा बिकवाली के बीच, तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक यानी 1.92 प्रतिशत टूटकर 74,559.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार दौरान, यह 1,565.78 अंक लुढ़क कर 74,449.50 अंक पर आ गया था। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 3,412 में गिरावट रही जबकि 869 शेयर लाभ में रहे। वहीं 129 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 436.30 अंक यानी 1.83 प्रतिशत का गोता लगाकर 23,379.55 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और एफआईआई की पूंजी निकासी के कारण रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर आने से घरेलू शेयर बाजार दबाव में रहे।''

कच्चे तेल के वायदा भाव तीन प्रतिशत से ज़्यादा बढ़कर 9,707 रुपये प्रति बैरल पर

नयी दिल्ली : वायदा कारोबार में मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतें तीन प्रतिशत से ज़्यादा बढ़कर 9,707 रुपये प्रति बैरल हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान में संघर्ष-विराम के टिकने पर संदेह जताये जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में यह तेजी आई है। ट्रंप के इस संदेह से फिर से लड़ाई छिड़ने का डर पैदा हो गया है और आशंका है कि इससे पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति में रुकावट आ सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का मई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 331 रुपये या 3.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,707 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 12,239 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

भारत-ओमान मुक्त समझौता एक जून से लागू होने की संभावना: गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) एक जून से लागू होने की उम्मीद है। इस समझौते पर दिसंबर, 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आज मेरी ओमान टीम के साथ अच्छी बैठक हुई और संभावना है कि ओमान मुक्त व्यापार समझौता एक जून, 2026 से लागू हो जाएगा।'' ओमान टीम व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए भारत आई हुई है। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद और चमड़े के सामान समेत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क मुक्त पहुंच होगा। दूसरी तरफ, भारत खजूर, संगमरमर और पेट्रोरसायन उत्पादों जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। गोयल ने चिली के विदेश मंत्री के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के अलग-अलग आकार और एक-दूसरे को मिलने वाले अवसरों के अलग-अलग पैमाने को देखते हुए चुनौतियां हैं।

अब हर साल सात जून को जारी होंगे जीडीपी के आंकड़ें, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने किया संशोधन

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने बीते वित्त वर्ष और मार्च तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों की प्रकाशन तिथि को मई के आखिरी कार्यदिवस से संशोधित कर सात जून कर दिया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के बयान के अनुसार यदि सात जून को अवकाश रहता है, तो आंकड़े उससे पहले वाले कार्य दिवस पर जारी किए जाएंगे। परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2025-26 और मार्च तिमाही के जीडीपी आंकड़े अब पांच जून को जारी किए जाएंगे, क्योंकि सात जून को रविवार का अवकाश है। आंकड़ों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति (एसीएनएएस) से परामर्श के बाद यह संशोधन किया गया है। बयान के अनुसार, ''राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद के अस्थायी अनुमानों और चौथी तिमाही के जीडीपी के तिमाही अनुमानों की प्रकाशन तिथि को मई के अंतिम कार्य दिवस से संशोधित करके सात जून कर दिया।

अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर, आभूषण, रसोई उत्पादों के दाम बढ़े

नयी दिल्ली : सोने-चांदी के आभूषणों और रसोई से जुड़े कुछ उत्पादों के दाम बढ़ने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति की दर मामूली रूप से बढ़कर 3.48 प्रतिशत हो गई। मंगलवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 को आधार मानकर की गई गणना के आधार पर खुदरा मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 3.48 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 3.40 प्रतिशत थी। इसके पहले फरवरी में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दर 3.21 प्रतिशत जबकि जनवरी महीने में 2.74 प्रतिशत रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ने से अप्रैल में खाद्य मुद्रास्फीति दर सालाना आधार पर बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 3.87 प्रतिशत थी। कीमतों में सबसे अधिक 144.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी चांदी से बने आभूषणों में दर्ज की गई। इसके बाद नारियल-कोपरा (44.55 प्रतिशत), सोना, हीरा एवं प्लैटिनम आभूषण (40.72 प्रतिशत), टमाटर (35.28 प्रतिशत) और फूलगोभी (25.58 प्रतिशत) का स्थान रहा। हालांकि, अप्रैल में आलू, प्याज, कार एवं जीप, मटर और एयर कंडीशनर की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था जबकि पहली तिमाही के लिए चार प्रतिशत महंगाई का अनुमान था। आरबीआई ने कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा संसाधनों की ऊंची कीमतें और संभावित 'अल नीनो' प्रभाव के कारण महंगाई बढ़ने का जोखिम है। आरबीआई अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को ही ध्यान में रखकर निर्णय करता है। एनएसओ के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 3.74 प्रतिशत और 3.16 प्रतिशत दर्ज की गई।

भारत में रूस से कच्चे तेल का आयात अप्रैल में 15 प्रतिशत घटकर 4.5 अरब यूरो पर

नयी दिल्ली : भारत का रूस से कच्चा तेल आयात अप्रैल माह में 15 प्रतिशत से अधिक घट गया जिसका मुख्य कारण एक प्रमुख रिफाइनरी का रखरखाव के लिए बंद होना रहा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यूरोपीय शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अप्रैल में रूस से 4.5 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल आयात किया, जो मार्च में हुए 5.3 अरब यूरो के आयात से कम है। अप्रैल में भारत, रूस से जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा और कुल पांच अरब यूरो के पेट्रोलियम उत्पाद आयात किए। इसमें कच्चे तेल की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत रही, जबकि कोयला 29.7 करोड़ यूरो और तेल उत्पाद 20.9 करोड़ यूरो के रहे। मार्च महीने के कुल 5.8 अरब यूरो के आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 91 प्रतिशत रही थी। सीआरईए ने कहा कि अप्रैल में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में 3.7 प्रतिशत की कमी आई। इसके पीछे रूस से तेल आयात में 19.4 प्रतिशत की मासिक गिरावट प्रमुख कारण रही। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात की वाडिनार और जामनगर रिफाइनरियों में रूसी तेल की आवक में क्रमशः करीब 92 प्रतिशत और 38 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि इंडियन ऑयल की वाडिनार रिफाइनरी में आयात 87 प्रतिशत बढ़ गया। नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी के नौ अप्रैल से रखरखाव के कारण बंद होने की वजह से आयात में गिरावट दर्ज की गई। दरअसल, यह रिफाइनरी पूरी तरह रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नया मंगलूर और विशाखापत्तनम रिफाइनरियों ने नवंबर, 2025 के बाद रूसी तेल का आयात रोक दिया था, लेकिन मार्च, 2026 से यह खरीद दोबारा शुरू हुई है। विशाखापत्तनम रिफाइनरी में रूसी तेल का आयात अप्रैल में 149 प्रतिशत बढ़ गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों में दी गई छूट के कारण पिछले कुछ सप्ताह में रूसी तेल के आयात में तेजी आई।

सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ 2025-26 में 11 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये: वित्त मंत्रालय

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यह लगातार चौथा वर्ष है जब सरकारी बैंक मुनाफे में रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार, ऋण के स्वस्थ विस्तार और आय में वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सरकारी बैंकों की लाभप्रदता में योगदान दिया। इस दौरान कुल परिचालन लाभ 3.21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि कुल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर रहा। सरकारी बैंकों का कुल कारोबार 31 मार्च, 2026 तक 283.3 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कुल जमा राशि सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत बढ़कर 156.3 लाख करोड़ रुपये रही, जो जमाकर्ताओं के निरंतर भरोसे और बैंकों द्वारा मजबूत संसाधन जुटाने का परिणाम है।

श्रम सुधार पूरी तरह लागू; सरकार गरीबों की समर्थक एवं उद्योग अनुकूल: मनसुख मांडविया

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने चार नयी श्रम संहिताओं को पूरी तरह लागू कर दिया है और वर्तमान सरकार गरीबों की समर्थक एवं उद्योग अनुकूल है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में मंत्री ने कहा कि श्रम एवं उद्योग को प्रभावी समन्वय के लिए एक-दूसरे के पूरक बनना चाहिए और बदलाव के साथ तालमेल बैठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चार नई श्रम संहिताओं ने 29 श्रम कानूनों को एक सरल और आधुनिक ढांचे में समाहित कर दिया है। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में पांच साल से अधिक समय के इंतजार के बाद नियम अधिसूचित कर चारों श्रम संहिताओं को पूरी तरह लागू कर दिया। ये चार संहिताएं वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 हैं। मांडविया ने कहा कि श्रम सुधारों का उद्देश्य ''इंस्पेक्टर राज'' को समाप्त करना और उद्योग के लिए एकल पंजीकरण तथा एकल खिड़की व्यवस्था प्रदान करना है। अब श्रम निरीक्षकों (इंस्पेक्टर) को सुविधा प्रदान करने वाला बनाया गया है और वे कानूनों के अनुपालन के लिए पर्याप्त अवसर देते हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री ने कहा कि देश में श्रम उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उद्योग और '' हमारी सरकार गरीबों एवं किसानों की समर्थक और उद्योग अनुकूल है।''

चांदी का वायदा भाव 1,346 रुपये टूटकर 2.76 लाख रुपये प्रति किलोग्राम

नयी दिल्ली : वायदा कारोबार में चांदी की कीमतें मंगलवार को शुरुआती बढ़त हुए गंवाते हुए 1,346 रुपये टूटकर 2.76 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से बढ़ते तनाव ने निवेशकों की कीमती धातुओं के प्रति रुचि को कम कर दिया था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जुलाई में आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंध का भाव 1,346 रुपये या 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,76,965 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 7,451 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने बताया कि प्रतिभागियों की बिकवाली से मुख्य रूप से चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 1.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.88 डॉलर प्रति औंस रही।

एयर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ानों का निलंबन जून के अंत तक बढ़ाया

यरुशलेम : एयर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं के बीच तेल अवीव-दिल्ली मार्ग पर अपने परिचालन का निलंबन जून के अंत तक बढ़ा रही है। एयरलाइन के इजराइल परिचालन के प्रमुख एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से निलंबन को और बढ़ाने के फैसले की पुष्टि की। इससे पहले अप्रैल में भारतीय एयरलाइन कंपनी ने मई के अंत तक अपने परिचालन को रोकने की घोषणा की थी, लेकिन अब इसे और आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है।

महाराष्ट्र में बाइक टैक्सी ऐप बंद करने का निर्देश

मुंबई : महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को पुलिस के साइबर अपराध विभाग को निर्देश दिया कि वे ओला, उबर और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर्स के अनधिकृत बाइक टैक्सी ऐप को बंद कर दें, और इन कंपनियों के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज करें। राज्य में बाइक टैक्सी चलाने की अनुमति नहीं है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम) को लिखे एक पत्र में, जिसकी एक प्रति पुलिस महानिदेशक को भी भेजी गई थी, सरनाइक ने कहा कि राज्य में कई अनधिकृत बाइक टैक्सी सेवाएं बिना जरूरी अनुमतियों के चल रही हैं।

अमेरिका ने भारतीय फार्मेसी कंपनी के मालिक, 13 सहयोगियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन : अमेरिका ने मंगलवार को भारत स्थित एक ऑनलाइन फार्मेसी के मालिक और उसके सहयोगियों पर वीजा प्रतिबंध लगा दिए। इन पर अवैध रूप से नशीला पदार्थ फेंटेनाइल की तस्करी कर अमेरिकी नागरिकों को आपूर्ति करने का आरोप है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने यहां एक बयान में कहा कि केएस इंटरनेशनल ट्रेडर्स और उसके मालिक से जुड़े 13 लोगों पर वीजा प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस कंपनी ने कथित तौर पर अवैध फेंटेनाइल मिले नकली नुस्खे वाली दवाएं अनजान अमेरिकी नागरिकों को बेची हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि केएस इंटरनेशनल ट्रेडर्स ने अवैध फेंटेनाइल की तस्करी के जरिये राजस्व अर्जित किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के तहत फेंटेनाइल को 'विनाश का व्यापक हथियार' नामित किया है। पिगॉट ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी आव्रजन एवं राष्ट्रीयता अधिनियम की धारा 212(ए)(3)(सी) के तहत की गई है। उन्होंने कहा, यह कदम अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करने की अमेरिका और भारत की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाने में शामिल लोगों को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। अमेरिका ने सितंबर, 2025 में भी दो भारतीय नागरिकों और इसी ऑनलाइन दवा विक्रेता पर प्रतिबंध लगाए थे। अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने सादिक अब्बास हबीब सैयद, खिजर मोहम्मद इकबाल शेख और केएस इंटरनेशनल ट्रेडर्स को नामित किया था।

सनराइजर्स को 82 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ गुजरात टाइटंस शीर्ष पर

अहमदाबाद : गुजरात टाइटंस ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। गुजरात की यह लगातार पांचवीं जीत है।पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने साइ सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों की मदद से पांच विकेट पर 168 रन बनाए। सुदर्शन ने 44 गेंदों में 61 रन की संयमित पारी खेली, जबकि सुंदर ने 33 गेंदों पर 50 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 60 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।सनराइजर्स के

लिए प्रफुल्ल हिंगे ने दो विकेट लिए, जबकि कप्तान पैट कमिंस ने किफायती गेंदबाजी की। शुरुआती ओवरों में गुजरात दबाव में दिखी और पावरप्ले में दो विकेट पर केवल 34 रन बना सकी थी।169 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की शुरुआत बेहद खराब रही। कैगिसो रबाडा और जेसन होल्डर की घातक गेंदबाजी के सामने पूरी टीम 14.5 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गई। रबाडा ने तीन और होल्डर ने भी तीन विकेट झटके।मोहम्मद सिराज ने ट्रेविस हेड का शुरुआती विकेट लेकर सनराइजर्स को बड़ा झटका दिया। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिच क्लासेन भी बड़ी पारी नहीं खेल सके।इस जीत के साथ गुजरात के 12 मैचों में 16 अंक हो गए हैं और टीम अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि सनराइजर्स 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई।

टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को खुद में सुधार करना होगा : राहुल द्रविड़

नयी दिल्ली : भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर तेजी से बदला है और गेंदबाजों को इसके अनुरूप खुद को ढालने के लिए काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने पावरप्ले में आक्रामक खेल का नया स्तर स्थापित किया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे और प्रियांश आर्य जैसे युवा खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि अब बल्लेबाज मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलने में सक्षम हो गए हैं। डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग से जुड़ी घोषणा के दौरान पीटीआई से बातचीत में द्रविड़ ने कहा, बल्लेबाजी कौशल और छक्के लगाने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। ऐसे में गेंदबाजों को भी अपने कौशल को लगातार बेहतर करना होगा। उन्होंने माना कि फिलहाल टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज गेंदबाजों से एक कदम आगे नजर आते हैं, लेकिन आने वाले वर्षों में गेंदबाज वापसी कर सकते हैं। द्रविड़ के अनुसार, टेस्ट क्रिकेट में हाल के समय में गेंदबाजों का प्रभाव बढ़ा है और लगभग हर मैच का नतीजा निकल रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि टी20 में संतुलन बनाए रखने के लिए गेंदबाजों को थोड़ी मदद की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि पिचों को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाया जा सकता है ताकि गेंदबाजों को स्विंग और अतिरिक्त सहायता मिल सके।

नाहिद राणा के पंजे में फंसा पाकिस्तान, बांग्लादेश ने 104 रन से जीता पहला टेस्ट

ढाका : तेज गेंदबाज नाहिद राणा की घातक गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने पहले टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को 104 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की।268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 163 रन पर सिमट गई। नाहिद राणा ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट झटके। उन्होंने चाय के बाद के सत्र में घातक गेंदबाजी करते हुए सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को जल्दी-जल्दी आउट कर मैच बांग्लादेश की झोली में डाल दिया।तेज गेंदबाज तास्किन अहमद ने भी शानदार सहयोग देते हुए दो विकेट हासिल किए। पाकिस्तान की ओर से पदार्पण कर रहे अब्दुल्ला

फजल ने सर्वाधिक 66 रन बनाए, जबकि सलमान आगा ने 26 रन का योगदान दिया।इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के 87 रन की बदौलत बांग्लादेश ने दूसरी पारी नौ विकेट पर 240 रन घोषित कर पाकिस्तान को 268 रन का लक्ष्य दिया था।बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और पाकिस्तान को 386 रन पर समेटकर बढ़त हासिल की थी। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिलहट में खेला जाएगा।

केकेआर के गेंदबाजों की चुनौती से पार पाना चाहेगी आरसीबी

रायपुर : प्लेऑफ की दहलीज पर खड़ी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत दर्ज कर अंतिम चार में अपनी जगह मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। हालांकि इसके लिए आरसीबी के बल्लेबाजों को केकेआर के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करना होगा।14 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर मौजूद आरसीबी के बल्लेबाज पिछले कुछ मुकाबलों में लय में नहीं दिखे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछला मैच टीम ने मुश्किल परिस्थितियों में जीता था, जहां क्रुणाल पंड्या के अर्धशतक और अंतिम ओवर में भुवनेश्वर कुमार के छक्के ने टीम को जीत दिलाई थी।कप्तान रजत पाटीदार भी पिछले कुछ मैचों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में देवदत्त पडिक्कल और टिम डेविड पर भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

थाईलैंड ओपन बैडमिंटन: सात्विक-चिराग की जोड़ी ने किया विजयी आगाज

बैंकॉक : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर के मुकाबले में मंगलवार को यहां इंडोनेशिया के मोह पुत्रा एरवियांस्याह और बागास मौलाना की जोड़ी को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में चौथे पायदान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने 64 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले को 21-19, 21-23, 21-10 से जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 11-16 से पीछे चल रही थी। उन्होंने इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर मुकाबले में वापसी की। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 कर दिया, लेकिन सात्विक और चिराग ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहला गेम अपने नाम किया। दूसरा गेम बेहद करीबी रहा। दोनों जोड़ियों के बीच लंबी रैलियां देखने को मिलीं और ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ियों ने मामूली बढ़त बना ली थी। ब्रेक के बाद इंडोनेशियाई जोड़ी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 17-14 की बढ़त हासिल कर ली। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने इसका दमदार जवाब दिया लेकिन इस गेम को मामूली अंतर से गंवा बैठे जिससे मुकाबला निर्णायक गेम तक पहुंच गया। सात्विक और चिराग तीसरे और अंतिम गेम में पूरी तरह हावी नजर आए। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-5 से आगे हो गए। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने मुकाबले पर पकड़ बनाए रखते हुए आसानी से यह गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय जोड़ी का सामना अब अगले दौर में मलेशिया के ब्रायन जेरेमी गूंटिंग और मोहम्मद हैकाल से होगा।

लक्ष्य फाइनल में, चार भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य

ताशकंद : भारत के लिये एशियाई अंडर 17 मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार का दिन चुनौतीपूर्ण रहा जब लक्ष्य फोगाट अकेले फाइनल में पहुंचे जबकि चार अन्य मुक्केबाजों को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। 75 किलोवर्ग में लक्ष्य ने कोरिया के सियुंगमिन ली को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में नरेंद्र नेल्ला (46 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुल्लाह नूरालीव ने 5-0 से हराया। यश यादव (50 किलो) को मंगोलिया के एस उसुखबातार ने 4-1 से मात दी जबकि निवेश पाल 54 किलोवर्ग में उजबेकिस्तान के अब्दुलबोसित युर्सुनबोएव से 5-0 से हार गए। नमन (70 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुवोहिद अब्दुमाजिदोव ने 3-2 से हराया।

वर्ष 11, पूर्णांक 3590 अंक 056 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in